जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 50 संख्याः 104 प्रभात कोटा, रविवार 26 जनवरी, 2025 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

इस सप्ताह साठ वर्ष पूर्व चर्चिल की मृत्यु हुई थी

क्या यह सही समय नहीं, आज हमारे गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगाँठ के दिन चर्चिल की भारत के मुताल्लिक भूमिका का पुर्नमूल्यांकन करने के लिए?

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 25 जनवरी। पिछले कुछ समय से, सर विंस्टन चर्चिल के जीवन और समय में बहुत रूचि बढ़ी है, जिनका साठ वर्ष पूर्व, 24 जनवरी 1960 को निधन हो गया था।

भारत के गणतंत्र दिवस की 76वीं वर्षगांठ पर, उस काल के ऐतिहासिक व्यक्तियों की भूमिकाओं पर नए दृष्टिकोण सामने आ रहे हैं, जब भारत उपनिवेश से एक सम्प्रभु राज्य में परिवर्तित हो रहा था।

भारतीय दृष्टिकोण से, क्लैमेंट ऐटली चर्चिल जितने महान ऐतिहासिक व्यक्तित्व के रूप में दिखाई पड़ते है। द्वितीय विश्व युद्ध के अन्त में ऐटली ने समय की ज़रूरतों को कहीं अधिक गहराई और समझदारी से महसूस किया था, जबकि, चर्चिल ''सैल्फ आब्सैस्ड'' थे।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने 1950 के दशक की शुरूआत में, बी.बी.सी. के साथ एक इंटरव्यू में भारत को उपनिवेशी शासन से मुक्त कराने के ऐटली के फैसले के संदर्भ में बात की थी। हालांकि, उन्हें उस समय ऐटली के निर्णय का कारण स्पष्ट नहीं हुआ था। लेकिन उन्होंने महसूस किया था कि इस संदर्भ में ऐटली की ''स्टेट्मैनशिप'' की गहराई से जांच करने की आवश्यकता है।

- भारत के दृष्टिकोण से चर्चिल के बाद इंगलैंड के प्र.मंत्री बने क्लैमेंट एटली की भूमिका ज्यादा समझदारीपूर्ण व समय संगत थी।
- द्वितीय विश्व के हीरो विंस्टन चर्चिल भारत को ब्रिटेन के साम्राज्य का हिस्सा बनाए रखने की कल्पना में ही बसर कर रहे थे, जबकि एटली भारत से इंगलैंड की सम्मानजनक वापसी को विकल्प मान रहे थे।
- एटली ने 1920 के दशक में हिन्दुस्तान का विस्तार से दौरा किया था तथा स्वतंत्रता आंदोलन का जमीनी असर देखकर उन्होंने भारत को स्वतंत्र करने की व्यवहारिकता को पहचाना था।
- एक मत यह भी है, चर्चिल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की गंभीरता को समझ नहीं पाये, बल्कि, भारत के प्रति असंवेदनशीलता का कलंक भी उन पर 1942, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान लगा था।
- चर्चिल ने बंगाल के लिये भेजे गये अनाज से भरे जहाजों को ''डाइवर्ट'' करके ब्रिटिश सेना की खपत के लिये भेजने का निर्णय लिया था, जिससे ''ग्रेट बंगाल फैमिन'', बंगाल में भारी भूखमरी फैली थी।

ब्रिटेनवासी जहां आजकल चर्चिल की जरूरत से ज्यादा तारीफ कर रहे है, वहीं यह भी बता दें कि चर्चिल के दिलों दिमाग पर भारत एक जुनून की तरह छाया हुआ था।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मिली चुनावी हार के बाद, जब वो सत्ता में नहीं थे, तब भी चर्चिल भारत को इंगलैंड के अंग के रूप में देखते थे। वो किसी भी हाल में ''भारतीय संपत्तियों'' से जुड़े रहना चाहते थे।

इस दृष्टिकोण से युद्ध खत्म होने तक चर्चिल ''आउटडेटेड'' हो गए थे। चर्चिल के बाद प्रधानमंत्री बने क्लैमेंट ऐटली बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने वाले आधुनिक सोच वाले व्यक्ति थे। वे समझ गए थे कि सम्मानजनक तरीके से भारत छोड़ देना ही एक मात्र विकल्प है। हालांकि ब्रिटेन की भारत से वापसी की प्रक्रिया काफी अव्यवस्थित और भयावह रही लोग इसमें मारे गए।

भले ही चर्चिल की वॉर हीरो के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेटली और सुषमा स्वराज को मरणोपरांत पद्म विभूषण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। शनिवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरूण जेटली तथा सुषमा स्वराज को मरणोपरान्त दूसरा सर्वोच्च अवॉर्ड ''पद्म विभूषण'' प्रदान करने की घोषणा की गई। इसी प्रकार, मरणोपरान्त पद्म विभूषण अवॉर्ड जॉर्ज फर्नान्डीज तथा उडुपी के आध्यात्मिक गुरु विश्वेषातीर्थ स्वामी को देने की घोषणा की गई। मणिपुर की स्पोट्र्स स्टार एम.सी. मैरी कोम,

- जॉर्ज फर्नांडिस (मरणोपरांत), मैरीकॉम, स्वामी विश्वेश तीर्थ, छन्नूलाल मिश्र और ए.जुगनाथ (मॉरिशस) को भी पद्म विभूषण दिया गया है।

मॉरीशस के अमेरुद जुगनाय तथा उत्तर प्रदेश के छन्नूलाल मिश्र को पद्म विभूषण दिये जाने की भी घोषणा भी की गई है।

देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में उपरोक्त सात पद्म विभूषण पुरस्कारों के अतिरिक्त 19 पद्म भूषण तथा 113 पद्मश्री पुरस्कारों की घोषणा की गई है। पुरस्कार पाने वालों में 23 महिलाएं, दस विदेशी, एन.आर.आई., पी.ई.ओ. और ओ.सी.आई. श्रेणी के है। तेरह हस्तियों को ये पुरस्कार मरणोपरांत दिए जा रहे हैं।

तुरंत प्रभाव से विदेशों को मदद के सभी प्रस्ताव व कार्यक्रम स्थगित किये

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के इस आदेश में केवल दो अपवाद मंजूर किये गये हैं, मिस्र इज़रायल व मित्र को दी जाने वाली सहायता के प्रस्ताव

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। रॉयटर्स के अनुसार, अमेरिका के स्टेट डिपार्टमैंट के एक आदेश पर शुक्रवार को मौजूदा सभी विदेशी सहायता के लिये ''स्टाप वर्क'' आदेश जारी कर दिया गया। यह कदम राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के एक आदेश की अनुपालना में उठाया गया।

स्टेट डिपार्टमैंट के फॉरेन एड ब्यूरो द्वारा ड्राफ्ट किये गये तथा सैक्रेटरी ऑफ स्टेट, मार्को रूबियों द्वारा अनुमोदित केवल में कहा गया कि इज़रायल तथा मिस्र के सैन्य वित्तीय पोषण के लिए छूट दी गई है। इनके अलावा, केबल में किसी अन्यदेश का उल्लेख नहीं किया गया है।

सोमवार को, अपना पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही, ट्रम्प ने विदेशी विकास सहायता को 90 दिन के रोकने के आदेश दिये थे। इस बीच, उनकी विदेश नीति की क्षमताओं और जारी रखे जाने की समीक्षा लम्बित रहेगी।

लेकिन इस आदेश के क्षेत्र की जानकारी तुरन्त नहीं मिल सकी थी तथा यह अस्पष्ट था कि कौन-कौन सी फन्डिंग रोकी जायेंगी, क्योंकि अमेरिकन कांग्रेस संघीय सरकार का बजट तैयार करती है।

- आदेश के अनुसार, सैक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेश मंत्री) मार्को रुबियो अगले 85 दिनों में अमेरिका द्वारा विदेशों में दी जा रही सहायता की सार्थकता व इफैक्टिवनैस'' का मुआयना करेंगे तथा फिर इस मूल्यांकन के बाद निर्णय लेंगे कि किन देशों को किन-किन प्रोग्रामों के अंतर्गत सहायता दी जाये या नहीं।
- जैसा कि विदित ही है, राष्ट्रपति ट्रम्प ने घोषणा की थी कि अमेरिका द्वारा विदेशों को दी जा रही सहायता को 90 दिन ''स्टॉप वर्क'' के आदेश से स्थगित किया जायेगा। ट्रम्प की इस घोषणा के अंतर्गत अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने अन्य देशों को दी जा रही सहायता के मुताल्लिक यह स्थगन आदेश निकाला है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रम्प का उक्त आदेश गैर कानूनी है क्योंकि इस कांग्रेस में चुनौती मिलना तय है।

एक विशेषज्ञ ने अपना नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा, ''इन अंतर्राष्ट्रीय निवेशों को फ्रीज कर देने से हमारे अंतर्राष्ट्रीय पार्टनर इसकी पूर्ति के लिये फन्डिंग पार्टनर तलाश करेंगे, जो या तो अमेरिका के साथ प्रतिस्पर्धा रखने वाले होंगे या उसके विरोधी। तथा जब तक यह गैर कानूनी रोक जारी रहेगी, वे देश अमेरिका के प्रभाव की जगह जरूरतमंद देशों पर अपना प्रभाव कायम रखेंगे।''

स्टेट डिपार्टमैंट का मीमो, जो तत्काल प्रभावी हो गया है, में कहा गया है कि वरिष्ठ अधिकारी ''यह सुनिश्चित करेंगे कि, कानून के अंतर्गत अधिकतम सीमा तक, विदेशी सहायता के लिये तब तक और कोई नया अनुबंध नहीं किया जायेगा'', जब तक रुबियो, समीक्षा के बाद, कोई निर्णय नहीं ले लेते।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मध्य प्रदेश में शराबबंदी लागू करने की तैयारी

राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 17 धार्मिक शहरों में शराबबंदी लागू करने की घोषणा की

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। मध्य प्रदेश, मद्य-निषेध क्लब में शामिल होने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी की घोषणा कर दी है। इस कदम को पूर्ण शराबबंदी की दिशा में एक चरणबद्ध तरीका माना जा सकता है। इस समय गुजरात, बिहार, नागालैंड और मिज़ोरम में शराब पर रोक लगी हुई है। इसके अलावा, केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप में भी शराब पर आंशिक पाबंदी है। कई राज्यों ने इससे पहले भी शराबबंदी कानून लागू किया, लेकिन बाद में इसे अव्यवहारिक होने के कारण पर निरस्त कर दिया। इन राज्यों में आंध्र प्रदेश, हरियाणा, केरल, मणिपुर, मिज़ोरम तथा तमिलनाडु शामिल हैं।

मद्य-निषेध लागू करने वाले राज्यों में, महिलाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा की घटनाओं में कमी आने की खबरें हैं। लेकिन शराबबंदी के कारण शराब का गैरकानूनी उत्पादन बढ़ा है तथा प्रदूषित मैथेनॉल के कारण लोगों की मौतें हुई हैं। जुलाई 2022 में, गुजरात में इस कारण कम से कम 42 लोग मर गये तथा 97 से ज्यादा लोग अस्पताल में भर्ती हुए थे। पिछले वर्ष, बिहार के सिवान तथा सारन जिलों में देशी शराब दुखान्तिका में 35 से अधिक लोग मर गये थे। जहाँ मद्य-निषेध नीति के लाभ साफ जाहिर हैं, वहीं इस प्रकार की नीतियों के नकारात्मक प्रभाव के बारे में प्रतिकूल तर्क भी दिये जाते रहे हैं। विभिन्न राज्यों, जिनमें बिहार और

- इस समय चार राज्यों में पूर्ण शराबबंदी है। गुजरात, बिहार, नागालैंड और मिज़ोरम।
- पूर्ण शराबबंदी से महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या घटी है, पर, अवैध शराब का बाज़ार तेजी से पनपा है।
- यही नहीं, इन राज्यों में दूषित शराब पीने के मामले भी देखे गए। गुजरात में ऐसे ही एक हादसे में जुलाई 2022 में 42 लोग मारे गए थे। गत वर्ष बिहार के सिवान व सारन में भी ऐसे दो हादसे हुए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अवकाश की सूचना

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 28 जनवरी को प्रकाशित होगा।

-प्रधान सम्पादक

साधुओं के मन की बात

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात से प्रेरित ''साधुओं के मन की बात'' नामक एक विशेष कार्यक्रम शनिवार को महाकुंभ में आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में, 10,000 संत महाकुंभ पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। यह कार्यक्रम साधुओं को सनातन धर्म के मुख्य पहलुओं पर अपने विचार साझा करने का एक मंच उपलब्ध करायेगा।

- महाकुंभ में शनिवार को ''साधुओं के मन की बात'' कार्यक्रम हुआ, इसमें साधू-संतों ने सनातन धर्म पर अपने विचार व्यक्त किये।

ट्रम्प द्वारा चयनित नये डिफैन्स मंत्री के ''सलैक्शन'' को कमज़ोर माना जा रहा है

सेना विशेषज्ञ, नये डिफैन्स मंत्री में ''अनुभव'' व नेतृत्व प्रदान करने की क्षमता की कमी देख रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 जनवरी। ऐसा लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प अपने मंत्रिमंडल में ऐसे लोगों को नियुक्त करने की आदत है, जिनमें न तो अनुभव है और ना ही नेतृत्व क्षमता। पीट हैगसैथ ऐसे ही व्यक्ति हैं, जिन्हें डिफेंस सैक्रेटरी (रक्षा मंत्री) बनाया गया है। फॉक्स न्यूज़ के पूर्व होस्ट व पूर्व सैन्य अधिकारी रहे पीट को ट्रम्प ने रक्षा मंत्री बनाया है। सीनेट में एक वोट के अतंर से उनकी नियुक्ति को मंजूरी मिली। टाई होने पर यह वोट उपराष्ट्रपति जे.डी. वैन्स ने दिया था।

हैगसेथ की नियुक्ति विवादों से घिरी है, उनकी शैक्षणिक योग्यता और पूर्व आचरण के आधार पर चिंता जताई जा रही है कि क्या वे के इस पद के उपयुक्त हैं।

पीट के आलोचक रक्षा क्षेत्र और नीति निर्माण में उनके कम अनुभव के आधार पर उन्हें अमेरिका के रक्षा सचिव के पद के उपयुक्त नहीं मानते हैं। हैगसेथ जब सेना में थे, तब इराक व अफगानिस्तान में तैनात रहे थे, उन्हें जमीनी क्षेत्र का अनुभव तो है, पर रक्षा मंत्रालय चलाने के लिए जिस रणनीतिक व प्रशासनिक अनुभव की जरुरत होती है वह उनमें नहीं है।

रक्षा मंत्री के लिए जटिल रक्षा नीतियों पेंटागन के विशाल संसाधनों के बजट प्रबंधन तथा भू राजनैतिक परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय हितों के अनुरुप सैन्य रणनीति बनाने की गहरी समझ होने की जरुरत होती है। आलोचक कहते हैं, मीडिया पर्सन का काम कर चुके पीट के पास इस दर्जे के उच्चस्तरीय निर्णय लेने का विवेक नहीं है।

इसके अतिरिक्त, आलोचकों ने हैगसेथ के अंतर्राष्ट्रीय सहयोगियों के साथ समन्वय करने, सैन्य कूटनीति को संभालने और रक्षा विभाग जैसे बड़े नौकरशाही संगठनों का नेतृत्व करने के लिए उनमें पर्याप्त अनुभव नहीं होने पर

- अमेरिका के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में, ''डिफैन्स मंत्री'' को राष्ट्रपति के बाद दूसरे नबंर की वरीयता दी जाती है, डिफैन्स के मामलों में तथा वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन भी किसी सैन्य कार्यवाही से पूर्व, डिफैन्स मंत्री के मार्फत, राष्ट्रपति से इजाजत लेकर आगे कार्यवाही करते हैं।
- नये डिफैन्स मंत्री एक मीडिया पर्सनैलिटी हैं, वे वरिष्ठ टी.वी. कमैंटटेटर रहे हैं, वे एक सेना में भी रहे हैं तथा इराक व अफगानिस्तानें सेवाएं दे चुके हैं, लेकिन सैन्य रणनीतिकार नहीं रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

76वां गणतंत्र दिवस

पतंजलि®

गणतंत्र दिवस पर विकसित व परम वैभवशाली भारत बनाने का संकल्प लें।

विदेशियों द्वारा भारत माता की लूट

ऑक्सफैम ग्लोबल यूके एक विश्व प्रसिद्ध संस्था के द्वारा हाल ही में एक सर्वे आया है कि 1765 से लेकर 1900 के बीच में ब्रिटिशर्स ने 64.82 ट्रिलियन डॉलर्स की लूट की है। इससे पहले और बाद की अंग्रेजों, पुर्तगालियों, डचों, हूण, शक एवं मुगलों की लूट का आंकड़ा इसमें सम्मिलित नहीं है। 1000 वर्षों की लूट को यदि औसत रूप में भी देखें तो यह कम से कम 100 ट्रिलियन से ऊपर होगी। देश की सकल अर्थव्यवस्था के आकार की दृष्टि से यदि लूट को 25% माने तो भारत की कुल अर्थव्यवस्था 500 साल पहले अनुमानित 500 ट्रिलियन रही होगी।

ये भारत की परम समृद्धि का विदेशी संस्थाओं द्वारा दस्तावेजों के आधार पर आंकलन है। हम चाहते हैं लूट के इन सत्यों एवं तथ्यों का बोध सब भारत वासियों को हो और आगे हम भारत माता को इन विदेशी ताकतों की लूट से बचाने के लिए संकल्पित एवं संगठित होकर आज से ही स्वदेशी का व्रत लें। स्वदेशी के इस महायज्ञ में पतंजलि भी अपनी एक विनम्र सेवा राष्ट्र को समर्पित कर रहा है।

विदेशियों ने तो मल्टी ट्रिलियन डॉलर्स की लूट की है और अभी भी साबुन, शैंपू, तेल, कोल्ड ड्रिंक, पिज्जा, बर्गर आदि बेचकर देश का धन विदेश ले जा रहे हैं।

पतंजलि द्वारा भारत माता एवं सनातन की सेवा

पतंजलि ने 30 वर्षों में लगभग एक लाख करोड़ रुपये से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अनुसंधान से लेकर, चरित्र निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण के कार्यों द्वारा भारत माता की सेवा की है और यह सेवा यज्ञ अखण्ड रूप से चल रहा है।

इस गणतंत्र दिवस पर स्वदेशी का व्रत लेकर पतंजलि के श्रेष्ठतम् स्वदेशी प्रोडक्ट्स को अपनाकर एक जागरुक नागरिक का कर्तव्य निभाएं और आर्थिक लूट व गुलामी से देश को बचायें। देश का पैसा देश में रहे और देश सेवा में लगे, यही हमारे स्वदेशी अभियान का मूल सिद्धांत है। हमने पुरुषार्थ से अर्जित अर्थ को परमार्थ में लगाकर Prosperity for Charity का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है।

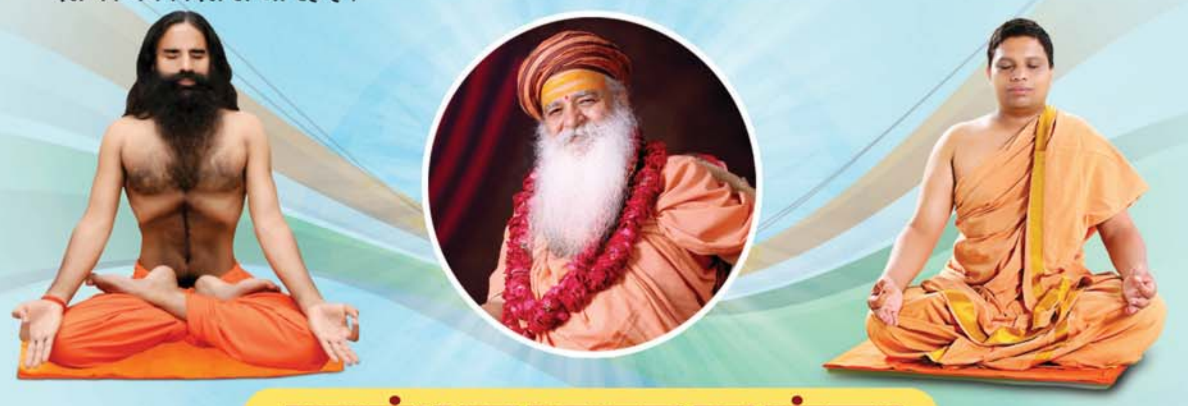

महाकुंभ पर सनातन का संकल्प

☞ सनातन धर्म के मूल सिद्धांत हैं एकता, समानता, आचरण की शुचिता, पुरुषार्थ की पराकाष्ठा, स्वधर्म निष्ठा, सद्भावना, वेद निष्ठा, गुरु निष्ठा एवं भगवान के सनातन सांस्कृतिक संविधान एवं देश के लोकतांत्रिक संविधान में पूर्ण निष्ठा।

☞ जाति, वर्ग, समुदाय आदि के नाम पर किसी भी प्रकार का ऊंच-नीच, भेदभाव, पक्षपात, पाखंड, अंधविश्वास सनातन धर्म में नहीं है। हमें महाकुंभ पर्व पर सनातन धर्म के मूल सिद्धांतों को 100% मानने, जीने एवं बढ़ाने के लिए संकल्पित, संगठित एवं समर्थ होकर सनातन धर्म को युग धर्म के रूप में प्रतिष्ठापित करने हेतु अपना सर्वस्व आहूत करना है और संगठित रूप से चल रहे सनातन के विरोध का सभी दिशाओं से प्रतिकार भी करना है।

महाकुंभ के अवसर पर कार्ष्णि आश्रम में पूज्यपाद स्वामी गुरु शरणानन्द महाराज जी के सानिध्य में

निःशुल्क योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर

स्थान- श्री गुरुकार्ष्णि कुम्भ मेला शिविर, सलोरी, सेक्टर-9, गंगेश्वर मार्ग, प्रयागराज

सम्पर्क करें : 8954555999

27 जनवरी से 30 जनवरी तक प्रातः 5:00 से 7:30 बजे

संगम स्नान के साथ योग-ध्यान के पुण्य से जीवन का सौभाग्य जगाएं।

CMYK

विचार बिन्दु

मन की प्रसन्नता से समस्त मानसिक और शारीरिक रोग दूर हो जाते हैं। –रामदास

आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है

आयुर्वेद में आहार का विज्ञान बहुत विशाल है जो, रसायन और औषधियों के साथ मिलकर, हमें स्वस्थ रखने और रोगों को दूर करने में मदद करता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध से अब यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि शरीर में फ्री–रेडिकल्स के बढ़ने से होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, यह दो बाते हैं जो अंततः मानव शरीर के नाश का कारण बनती हैं। अतः यदि इन दोनों को नियंत्रित कर लें तो जरा व्याधि से मुक्ति मिल सकती है। शोध से यह भी सिद्ध हो चुका है कि आयुर्वेद–सम्मत भोजन और रसायन यही दोनों काम–एंटी–ऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटोरी कार्य–बेहद मज़बूत तरीके से करते हैं।

वर्ष 2016 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जापानी जीवविज्ञानी योशीनोरी ओहसुमी को जिस शोध के लिये मिला है उससे एक संभावना और उभरी है कि आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्य हैं (च.सं., सू.स्था., 30.26): स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणम् आतुरस्य विकारप्रशमनम्। अर्थात, स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और पीड़ित व्यक्ति के विकार का शमन। आचार्य सुश्रुत द्वारा दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप उपयुक्त आहार हमारे शरीर के दोष, अग्नि, धातु, व मलक्रिया को सम करता है एवं प्रसन्नता प्रदान करता है: समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। (सु.सं.,सू.स्था.,15.41)। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल–त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रिय, आत्मा एवं मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है: आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजःसमुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः।। (सु.सं., चि.स्था. 24.68)।

यहाँ भोजन से प्राप्त होने वाला ओज जीने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि आचार्य चरक ने लिखा है (च.सं., सू.स्था., 17.73–74): बिभेति दुर्बलोऽभीक्ष्णं ध्यायति व्यथितेन्द्रियः। दुश्छायो दुर्मना रूक्षः क्षामश्चैवौजसः क्षये।। हृदि तिष्ठित यच्छुद्धं रक्तमीषत्सपीतकम्। ओजः शरीरे संख्यातं तन्नाशान्ना विनश्यति।। सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित–व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा–भोजन या जंक–फूड के भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है। साफ़ बात यह है कि यदि हम आयुर्वेद में दी गयी सलाह के अनुसार अपना भोजन लें तो ओजस को नष्ट होने और अंततः शरीर को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इस दिशा में सात बातें महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहली बात यह है कि भोजन करने के पूर्व शरीर के समस्त आवेग शान्त हों। मन प्रसन्न व निर्मल हो। अपने स्वाभाविक भोजन–समय से बहुत पहले या बाद में भोजन करना अनुचित रहता है। रात में भोजन नहीं करना चाहिये। आधुनिक विज्ञान में हुये शोध, अनुभवजन्य ज्ञान एवं शास्त्रोक्त विचारों को एकीकृत करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह मान लेना उचित होगा कि ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.00 बजे, शरद ऋतु में 7.00 बजे एवं वर्षा ऋतु में सूर्यास्त के पूर्व ही भोजन करना हितकारी होगा। यथासंभव जमीन पर सुखासन या पालथी लगा कर, अपनों के साथ, प्रसन्न मन से संतुलित, पोषक और स्वादिष्ट भोजन करने का अपना आनंद है।

दूसरी बात यह है कि भोजन हितकारी, पोषक और संतुलित हो तथा अपनी पाचन शक्ति को देखते हुये ही ग्रहण किया जाये। भोजन में छः रसों–मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कसाय–का होना आवश्यक है। आहार की मात्रा व प्रकार, और इन दोनों के संदर्भ में शरीर की क्षमता, ये तीनों बहुत महत्वपूर्ण संकेतक हैं। उदाहरण के लिये, शालि व साठी चावल, मूंग आदि भले ही शीघ्र पचने वाले होते हैं परंतु इन्हें भी ठूँस–ठूँस कर खा लिया जाये तो पाचन में कठिनाई होती है। इसके विपरीत रोटी, पूड़ी, हलवा, गुड़, चीनी, दूध से बनी रबड़ी, खोवा, तिल, उड़द आदि स्वभाव से गरिष्ठ होते हैं, किन्तु समुचित या अल्प मात्रा में ग्रहण करने पर यह भी पच जाते हैं। लघु या हलके तथा सुपाच्य खाद्य पदार्थ वायु व अग्नि गुण प्रधान होने के कारण पाचकाग्नि को प्रदीप्त करने वाले स्वभाव के होते हैं और इन्हें तृप्तिपूर्वक खा लेने पर भी बहुत अधिक दोष उत्पन्न नहीं होते। किंतु गुरू या गरिष्ठ द्रव्य पृथ्वी तथा सोम गुण की अधिकता होने के कारण अग्नि को उदीप्त नहीं कर पाते, अतः जब तक कठोर व्यायाम से अग्नि–बल बढ़ा न लिया गया हो, तब तक इन्हें तृप्तिपूर्वक खाते ही दोष खड़े होने लगते हैं। अतः गरिष्ठ भोजन खाने से पूर्व अपने अग्नि–बल की हैसियत का खयाल रख लेना चाहिये। आचार्य चरक ने कहा है कि गरिष्ठ भोजन को पेट के आधे भाग की तृप्ति तक ही लेना चाहिये। लघु पदार्थों को भी उचित मात्रा में ही खाना चाहिये, क्योंकि समुचित मात्रा में किया गया भोजन ही हमें बल, वर्ण, सुख तथा आयु प्रदान करता है। पीठी की तरह गूंथे गये आटे व उड़द आदि की पीठी से बना हुआ भोजन भी गरिष्ठ होता है। अतः भोजन करने के पश्चात् पीठी से निर्मित व्यंजन, चावल या चेवड़ा आदि को अत्यल्प मात्रा में ही खाना चाहिये। असल में बहुत तेज भूखे होने पर ही इस प्रकार के खाद्य पदार्थों का लेना उचित रहता है। सुखाई हुई सब्जियाँ, कमल की जड़, कमल की नाल आदि भी गुरू द्रव्य हैं, अतः इनका सेवन भी निरंतर नहीं करना चाहिये। दही या छाछ के साथ दूध को पका कर या फटे हुये दूध से बनाये गये बनाये गये व्यंजन एवं छैना, दही, उड़द, ज़ई आदि को भी लगातार प्रतिदिन नहीं खाना चाहिये।

शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है।

तीसरी बात यह है कि आयुर्वेद में भोजन व्यक्ति–व्यक्ति की स्थिति, प्रकृति, एवं ऋतुओं के आधार पर तय होता है। उदाहरण के लिये, सूखे मेवे, आलू, टमाटर, सेब, मटर, चना आदि वात को कुपित करते हैं, इसलिये वात प्रकृति के लोगों को इन पदार्थों को कभी–कभार ही लेना चाहये। जबकि मीठे फल, जैसे अंगूर, केला, संतरा, नारियल, व लाल चावल वात प्रकृति के लोगों के लिये लाभकारी हैं। इसी प्रकार अधिक मसालेदार भोजन, मूंगफली का तेल, खट्टे फल, केला, पपीता, टमाटर, लहसुन आदि पित्त दोष को कुपित करते हैं। जबकि, आम, संतरा, नाशपाती, हरी सलाद आदि पित्त दोष को शान्त करते हैं। इसी प्रकार केला, नारियल, खजूर, पपीता, अनन्नास व विभिन्न दुग्ध–उत्पाद कफ को कुपित करते हैं, जबकि सूखे मेवे, अनार, सफ़ेद चावल, अंकुरित अनाज आदि कफ प्रकृति के लोगों के लिये उपयोगी रहते हैं।

चौथी बात, शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख–मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है। अनुभव के अनुसार जिन पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य ना बिगड़े या कोई नया रोग उत्पन्न नहीं हो, उन्हें खाया जा सकता है। नियमित भोजन में ऐसे द्रव्यों को भी थोड़ी मात्रा में शामिल किया जा सकता है जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। विविध प्रकार व विविध रंगों के स्थानीय मौसमी फल, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गुड़, एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनका थोड़ा सेवन उपयोगी रहता है। वर्षा से संग्रहित किया हुआ साफ जल ही सबसे उत्तम माना जाता है। भोजन के अंत में पानी पीना हानिकारक है। जरूरी हो तो अत्यल्प मात्रा में ही लेना चाहिये।

पांचवीं बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ पकाने के बाद देर तक रख देने पर, बासी हो जाने पर या स्वरुप बदल जाने के बाद नहीं खाए जाने चाहिये। सूची तो बड़ी लम्बी है, पर सारांश में देखें तो ठंडा होने पर पुनः गर्म किया हुआ भोजन, सूख जाने के बाद पानी मिलाकर पुनः गीला किया हुआ भोजन, व कांसे के पात्र में कई दिनों तक रखा हुआ घी नहीं खाना चाहिये। अधपका, दुर्गन्धियुक्त, जला हुआ, स्वाभाविक रंग से भिन्न या रंग बदला हुये, पानी छोड़ चुके, बहुत नमक–युक्त, या बार–बार गरम किया हुआ बासी भोजन खाना हानिकारक है। गरम की हुई शहद, या शहद लेने के बाद गरम पानी पीना, रात्रि में दही या अधिक मिठाई, भोजन के अंत में मीठा और शुरुआत में तिक्त और कटु पदार्थ, गर्म पेय के तुरंत बाद ठंडा जल वर्जित हैं।

छठी बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं जो प्रायः एक–दूसरे के साथ नहीं चलते। दही व छाछ के साथ केला; नमक के साथ दूध; गुड, पिप्पली, शहद व कालीमिर्च के साथ पूड़ी; उड़द की दाल के साथ मूली; दही व दूध के साथ मूली; बासी या सूखी मूली; खट्टे फलों के साथ दूध; खीर, खोया, मलाई, व दूध के साथ खिचड़ी और अल्कोहल; खीर के साथ छाछ; दही के साथ खजूर; कमल–ककड़ी के साथ अंकुरित अनाज; शहद के साथ खजूर और दारू; और बराबर मात्रा में घी को शहद के साथ, या शहद, घी, वसा, तेल और जल को एक साथ मिलाकर नहीं खाना चाहिये। शोध में पाया गया है कि ग्रीन चाय के साथ दूध, चाय के साथ लहसुन, अनार–रस के साथ अंगूर–रस, हरे टमाटर और आलू के साथ अल्कोहल नहीं लेना चाहिये।

और अंत में, आयुर्वेद के इतिहास में 5000 वर्षों के दौरान लिखे गये अनेकानेक ग्रंथों को खंगाल डालने पर कहीं भी पिज़्ज़ादिवर्ग, बर्गरादिवर्ग, कुर्कुरादिवर्ग, फिंगरचिप्सादिवर्ग या मैग्यादिवर्ग जैसे आहार द्रव्यों का वर्णन नहीं प्राप्त होता। अतः आयुर्वेद के जन्मदाता समाज के मध्य इनका उपयोग वर्ष में एकाध–दो बार स्वाद बदलने के लिये ही किया जाना हितकारी हो सकता है!

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे रहा महाकुंभ

विनोद पाठक

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज शहर में गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर इन दिनों दुनिया का सबसे बड़ा अस्थाई शहर बस चुका है। इसी अस्थाई शहर में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक दुनिया का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ आयोजित हो रहा है। 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले महाकुंभ मेला क्षेत्र में न केवल भारत, बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचना शुरू हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दावा है कि 40–45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक इस बार महाकुंभ मेले में आएंगे। यही कारण है कि छोटी से लेकर बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियों की नजरें महाकुंभ मेले पर हैं। महाकुंभ मेले की तैयारियों पर केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार ने भी भारी राशि का निवेश किया है। अनुमान है कि महाकुंभ मेले से न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने वाली है।

भारत को धार्मिक स्थलों और मेलों का देश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश में उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम तक सैकड़ों छोटे–बड़े मेले लगते हैं। 5000 से अधिक धार्मिक स्थल हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में धार्मिक स्थल और मेले अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने के केंद्र बिंदु हैं। भारत के करीब–करीब सभी राज्यों में अनेक बड़े धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अभी अयोध्या और काशी में ही देखा गया, यहां से किस तरह से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एकाएक बूस्टर डोज मिला है। अयोध्या में पिछले वर्ष जनवरी से सितंबर तक 13.56 करोड़ लोग दर्शन करने पहुंचे थे, जबकि इसी अवधि में आगरा में 12.51 करोड़ लोग ताजमहल को देखने के लिए पहुंचे थे। इस बार नववर्ष के पहले ही दिन 8 लाख लोग काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में दर्शनों को पहुंच गए। गुजरात, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में मंदिरों से होने वाली आय राज्य सरकार को बड़ा संबल प्रदान कर रही है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों में बड़े मेले लगते हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ मेले के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने करीब 15,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है। 566 प्रोजेक्ट्स महाकुंभ के लिए चलाए गए हैं। मेले क्षेत्र को बसाने में 21 विभागों की भागीदारी रही है। इस बार मेले का आकार भी बढ़ाया गया है। वर्ष 2019 के अर्द्धकुंभ में 3200 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र था, जो इस बार 4200 हेक्टेयर हो गया है। सेक्टरों की संख्या 20 से बढ़कर 25 हो गई है। घाटों की लंबाई 8 किलोमीटर से बढ़कर 12 किलोमीटर हुई है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए 1850 हेक्टेयर में पार्किंग बनाई गई है। पांटून पुल की संख्या 22 बढ़ाकर 30 की गई है। 1.5 लाख अस्थाई और 500 स्थाई शौचालय बनाए गए हैं। मेला क्षेत्र में पौने दो लाख से अधिक टेंट लगे हैं और 25,000 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है। 67,000 एलईडी लाइट्स मेला क्षेत्र को दूधिया रोशनी प्रदान कर रही हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने 7260.45 करोड़ रुपए का बजट जारी किया है, जिससे 441 प्रोजेक्ट और 125 डिपार्टमेंटल प्रोजेक्ट्स पूर्ण हुए हैं। इनमें 75 प्रतिशत पर स्थाई स्ट्रक्चर हैं। सबसे अधिक 42 प्रतिशत बजट पुल और रोड डेवलपमेंट पर खर्च हुआ है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि महाकुंभ मेले से राज्य में 2 लाख करोड़ रुपए की आर्थिक वृद्धि दर्ज होगी। वर्ष 2019 के कुंभ ने राज्य की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपए का योगदान दिया था। उत्तर प्रदेश सरकार को महाकुंभ मेले से 25,000 करोड़ रुपए का सीधे राजस्व की प्राप्ति होगी, जो किराए, सेवा शुल्क और टैक्स के रूप में मिलेगा। छोटे दुकानदार से लेकर होटल इंडस्ट्री, ट्रांसपोर्टेशन, फूड इंडस्ट्री, रिटेल टूर एंड ट्रैवल, गारमेंट जैसे अनेक सेगमेंट्स को फायदा मिल रहा है। महाकुंभ मेले क्षेत्र में बसी टेंट सिटी में 2000 से लेकर 80,000 रुपए तक के लक्जरी टेंट उपलब्ध हैं। केवल महाकुंभ मेले की तैयारियों से 45,000 से अधिक परिवारों को सीधा रोजगार मिला है। देश भर में महाकुंभ मेले से लोगों को रोजगार और आर्थिक लाभ हो रहा है। इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 1882 में ब्रिटिश सरकार के समय प्रयागराज में कुंभ मेले के आयोजन पर सरकारी कोष से 20,228 रुपए खर्च हुए थे, जबकि 49,840 रुपए की आमदनी के साथ 29,612 रुपए का लाभ सरकार को हुआ था।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में देश में धार्मिक पर्यटन के लिए 67.7 करोड़ लोग निकले थे, यह संख्या वर्ष 2022 में 143.9 करोड़ तक पहुंच गई। वर्ष 2022 में धार्मिक पर्यटन से राजस्व 7.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 16.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। वर्ष 2023 में भारत में धार्मिक पर्यटन मार्केट 1172.1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था, जो वर्ष 2024 से 2032 के बीच 17.75 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 5102.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं और पर्यटकों को लुभाने के लिए छोटे–बड़े ब्रांड जुटे हैं। रिटेल स्टेट सलाहकार सीबीआरआई ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि तिरुपति, पुरी, अमृतसर, अजमेर जैसे मझले आकार के शहरों में रिटेल ब्रांड अपने प्रॉडक्ट्स को उतार चुके हैं। अमृतसर, अजमेर, कटरा, सोमनाथ, वाराणसी, शिरडी, पुरी, अयोध्या, मथुरा, तिरुपति, द्वारका, बोधगया, गुरुवयूर और मदुरै में आध्यात्मिक पर्यटन में वृद्धि का लाभ रिटेल ब्रांड उठा रहे हैं। दुनिया की सभी बड़ी फूड इंडस्ट्रीज भारत में धार्मिक पर्यटन स्थलों की ओर रुख कर चुकी हैं।

वर्ष 2014 में देश की सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार्मिक स्थलों के विकास पर खास जोर दिया है। धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार और कनेक्टिविटी पर सरकार बहुत तेजी से काम कर रही है। स्वदेश दर्शन और प्रसाद जैसी कई योजनाओं के माध्यम से 120 परियोजनाएं चलाई गई हैं, जिन पर 6800 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए हैं। देश में 1.5 लाख किलोमीटर का रोड नेटवर्क बिछाया जा चुका है। 500 से अधिक नए हवाई मार्ग और 150 से अधिक नए एयरपोर्ट्स से एयर कनेक्टिविटी में बढ़ोतरी हुई है। 100 से अधिक पर्यटक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं पिछले 10 साल में पूरी की गई हैं।

महाकुंभ का प्रचार भारत समेत दुनियाभर में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है, ताकि अधिक से अधिक लोगों को तीर्थराज प्रयाग में लगाया जा सके। पहली बार महाकुंभ में उच्च तकनीक का प्रयोग हो रहा है। डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर से लेकर कुंभ सहायक चैटबॉट, जो 11 भारतीय भाषाओं में संवाद में सक्षम है, को लॉन्च किया गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैस फेस रीडिंग कैमरे लगाए गए हैं। एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिवेट किया गया है। टॉयलेट सफाई से लेकर पुलिस व्यवस्था के लिए एप्स बनाए गए हैं। पहली बार दुनिया में किसी अस्थाई शहर में गूगल नेविगेशन की सुविधा दे रहा है।

पिछले दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज आए थे और गंगा पूजन किया था, तब उन्होंने महाकुंभ को महापर्व कहा था। अगले 45 दिनों में इसी महापर्व में विश्व का सबसे बड़ा मानवों का एकत्रीकरण होने वाला है। 6 बड़े स्नान पर्वों पर करोड़ों लोग पावन गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाएंगे और यह डुबकी देश की अर्थव्यवस्था को एक नया मार्ग दिखाने वाली होगी। आध्यात्मिक–सांस्कृतिक रूप से देश को और आगे बढ़ाने वाली होगी। महाकुंभ केवल स्नान और पुण्य कमाने का पर्व नहीं, बल्कि देश की इकोनॉमी को नई दिशा और नई गति देने वाला भी होगा।

–विनोद पाठक,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)।

यूजर चार्ज का विरोध, अजमेर में व्यापारियों ने बाजार बंद किये

नगर निगम की कार्रवाई पर व्यापारियों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया

अजमेर, (निसं)। नगर निगम द्वारा व्यापारियों को यूजर्स चार्जेस, फायर एनओसी और यूडीएच कर की वसूली के लिए डराने–धमकाने और दुकानों को सीज करने की धमकी दिए जाने के विरोध में शनिवार को अजमेर के करीब 35 बाजारों में स्वेच्छा से बंद रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

श्री टॉकीज अहाता मोहल्ला क्षेत्र में बाबा गेस्ट हाउस के बाहर श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल और महासचिव रमेश लालवानी के नेतृत्व में व्यापारियों ने विरोध रैली निकाली। इस रैली में न्यू मैजेस्टिक बाजार, गिदवानी बाजार, डिग्गी बाजार, सोदागर मोहल्ला धसेटी बाजार, सदर बाजार सहित कई बाजारों के प्रतिनिधि शामिल हुए। व्यापारियों ने नारे लगाते हुए नगर निगम की कार्रवाई को तानाशाही करार दिया। व्यापारियों का आरोप है कि नगर निगम के कर्मचारी समूह बनाकर बाजारों में दुकानों को सीज करने की धमकी दे रहे हैं और यूजर्स चार्जेस और फायर एनओसी के नाम पर डराने–धमकाने का काम कर रहे हैं। महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि कई दुकानदार पहले ही फायर सिलेंडर लगवा चुके हैं, इसके बावजूद फायर एनओसी के नाम पर उन्हें परेशान किया जा रहा है।

■ आरोप है कि निगम कर्मी समूह बनाकर बाजारों में दुकानों को सीज करने की धमकी दे रहे हैं

महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल ने कहा कि निगम की यह तानाशाही नीति व्यापारियों के लिए असहनीय है। यदि निगम ने अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ी, तो आंदोलन और उग्र होगा। जरूरत पड़ी तो अजमेर में अनिश्चितकालीन बंद भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महासंघ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सामने रख रहा है, लेकिन निगम का रवैया सरकार की बदनामी करने वाला है।

रैली और सभा का आयोजन :–अहाता मोहल्ला से शुरू हुई रैली डिग्गी बाजार, सोदागर मोहल्ला, उतार घसेटी होते हुए सदर बाजार तक पहुंची। रैली के दौरान व्यापारियों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सभा को संबोधित करते हुए महासचिव रमेश लालवानी ने कहा कि निगम की नीतियां व्यापारियों को बेवजह परेशान करने वाली हैं। व्यापारियों ने सामूहिक रूप से मांग की कि यूजर्स चार्जेस और फायर एनओसी के नाम पर हो रही वसूली को रोका जाए।

व्यापारिक संघों का समर्थन :–विरोध प्रदर्शन में खजाना गली, नला बाजार, डिग्गी बाजार, बालाजी व्यापार मंडल, अहाता मौहल्ला खारी कुई, रावण की बगीची, जटियावास, और घी मंडी सहित कई बाजारों के व्यापारिक संगठनों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से विजय गोयल, हीरालाल जिंगर, अशोक छतवानी, नरेंद्र सोनी, गौरीशंकर पंवार, विजय ग्वालानी, अशोक बालानी और नवीन पारवानी सहित अन्य व्यापारियों ने भाग लिया।

नए राजस्व ग्राम घोषित करने के आदेश की क्रियान्विति पर हाईकोर्ट की रोक

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के नए राजस्व ग्राम घोषित करने के लिए जारी परिपत्र में तय निर्धारित मापदंडों के विपरीत जाकर तीन नए राजस्व ग्राम घोषित करने के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई है। नियमानुसार नए राजस्व ग्राम का नाम किसी व्यक्ति विशेष, धर्म, जाति, और उपजाति के नाम पर किये जाने पर स्पष्ट मनाही है। बावजूद इसके नियम कायदों को दरकिनार कर नए प्रस्तावित गांवों के नाम स्थानीय वार्ड पंच और पार्टी कार्यकर्ता के पूर्वजों के नाम पर कर प्रस्तावित कर दिए गए। याची की तरफ से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने पैरवी की। राजस्थान हाइकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की एकलपीठ में मामले की सुनवाई हुई। राज्य सरकार सहित ज़िला कलेक्टर जोधपुर से जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई 14 फ़रवरी 2025 को होगी।

जोधपुर जिले की शेरगढ़ तहसील के ग्राम पंचायत ख़िरजा फतेहसिंह के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा निवासी डूंगरसिंह सहित पांच अन्य की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी व विनीता चांगल ने रिट याचिका दायर कर बताया कि राज्य सरकार द्वारा किसी भी राजस्व ग्राम में आबादी बढ़ जाने और मूलभूत सुविधाओं के सुलभ और नज़दीक उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राजस्थान भू राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत परिपत्र जारी कर नये ग्राम बनाये जाने के लिए निर्धारित मापदंड और नियम बना रखे हैं और उसी के अनुरूप समय की जरूरत अनुसार नए राजस्व गांव प्रस्तावित होते रहे हैं, लेकिन राजनीतिक दुर्भावनापूर्वक और राजनैतिक पार्टी के व्यक्ति विशेष को उपकृत करने के एक मात्र उद्देश्य से याचिकाकर्ताओं के मूल राजस्व ग्राम ख़िरजा भोजा में से तीन नये ग्राम प्रस्तावित कर दिए गए । जिस पर याचिकाकर्ताओं सहित सभी ग्रामवासियों ने लिखित में आपत्तियां भी पेश की लेकिन स्थानीय विधायक की विशेष अनुशंषा और दख़ल अंदाजी होने से सभी आपत्तियों को दरकिनार कर दिया गया और अपेक्षित मापदंडों को कंसीडर किये बिना ही व्यक्ति विशेष के पूर्वजों के नाम से तीन नए राजस्व गांव बनाते हुए 10 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी कर दी गयी, जिसे रिट याचिका दायर कर चुनौती दी गई।

■ नियमानुसार नए राजस्व ग्राम का नाम किसी व्यक्ति विशेष, धर्म, जाति, और उपजाति के नाम पर किये जाने पर स्पष्ट मनाही है

याचीगण की ओर से अधिवक्ता ख़िलेरी ने बताया कि नियमानुसार नए राजस्व ग्राम के लिए आबादी, चरागाह, सिवायचक जमीन, आबादी जमीन, आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के विस्तार इत्यादि के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ही नए राजस्व गांव का सृजन किया जा सकता है, लेकिन राजस्व विभाग द्वारा ग्राम ख़िरजा भोजा से तीन नए गांव घोषित करने के लिए जारी की गई अधिसूचना राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 16 में विहित प्रक्रिया और प्रावधानों के विपरीत होकर मात्र राजनैतिक व गैरवाजिब, गैरकानूनी और असवैधानिक है।

प्रकरण के तथ्यों और मामले की परिस्थितियों का अनुशीलन कर और याची के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होकर राजस्थान हाइकोर्ट एकलपीठ न्यायाधीश ने शेरगढ़ तहसील के नवसृजित तीन राजस्व गांव के आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार को जवाब तलब किया।

राशिफल रविवार 26 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठा नक्षत्र प्रातः 8:26 तक, व्याघात योग रात्रि 3:57 तक, कौलव करण प्रातः 8:43 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 8:26 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मकर, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–मिथुन, बुध–मकर, गुरू–वृष, शुक्र–कुम्भ, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:26 से सूर्योदय तक है। आज भारतीय गणतंत्र दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:39 से 9:59 तक, लाभ–अमृत 9:59 से 12:39 तक, शुभ 1:59 से 3:19 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:19, सूर्यास्त 6:00

मेष
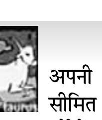
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृष

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। मित्रों/रिश्तेदारों संबंध खराब हो सकते हैं।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या मे सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
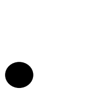
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह
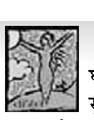
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या

घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला

महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मकर

घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर–परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

PMCH HEALTH ADVISORS

NABH ACCREDITED — PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE
H-2024-1409

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल, बेदला

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर

नि:शुल्क

चिकित्सा परामर्श, जाँच, भर्ती एवं ऑपरेशन शिविर

जनवरी 26 2025 से फरवरी 25 2025

समय: प्रात 9.00 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

- नि:शुल्क परामर्श
- नि:शुल्क रक्त एवं मूत्र की जाँच
- नि:शुल्क वार्ड में भर्ती
- नि:शुल्क ECG, X-Ray, इकोकार्डियोग्राफी मैमोग्राफी
- नि:शुल्क सभी तरह के ऑपरेशन
- नि:शुल्क बच्चेदानी का ऑपरेशन (दवाइयों सहित)
- CT Scan मात्र ₹1500/-
- MRI मात्र ₹2500/-

बवासीर (पाईल्स), फिशर, फिस्टुला एवं अन्य गठान का नि:शुल्क ऑपरेशन
(दवाइयों सहित)
रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : 9587894326

नि:शुल्क डिलीवरी
(सामान्य एवं सिजेरियन)
गर्भधारण से डिलीवरी तक आपके एवं शिशु के सम्पूर्ण ईलाज की नि:शुल्क सुविधा (जाँच एवं दवाईयों सहित)
डिलीवरी के 4 माह पूर्व पंजीकरण कराने पर प्राईवेट रूम की नि:शुल्क सुविधा
रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : 9828144314

हर्निया, अपेंडिक्स एवं पित्त की थैली की पथरी का ऑपरेशन
मात्र ₹5000/- (दवाइयों सहित)
रजिस्ट्रेशन अनिवार्य : 9587894326

डॉ. अतुलाभ वाजपेयी — लकवा एवं मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ
डॉ. सी.पी. पुरोहित — इन्टरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
डॉ. मनोज महाजन — कैंसर रोग विशेषज्ञ
डॉ. आशीष मेहता — पेट एवं लीवर रोग विशेषज्ञ
डॉ. वीरेन्द चौधरी — फिजिशियन
डॉ. गिरीश वर्मा — फिजिशियन
डॉ. नीलेश पतिरा — फिजिशियन
डॉ. जगदीश विश्नोई — फिजिशियन
डॉ. वीरेन्द्र कुमार गोयल — फिजिशियन
डॉ. शौकत अली बोहरा — फिजिशियन
डॉ. सौरभ गुप्ता — एंडोक्राइनोलॉजी
डॉ. जयेश त्रिवेदी — फिजिशियन
डॉ. बी. कुमार — फिजिशियन
डॉ. रसीद खान — फिजिशियन
डॉ. मोहित नरेडी — नेफ्रोलॉजिस्ट
डॉ. एस.जी.मेहता — मनोरोग विशेषज्ञ
डॉ. सुनील कुमार — वक्ष एवं क्षय रोग विशेषज्ञ
डॉ. अतुल लोहाडिया — पल्मेनोलॉजिस्ट एवं वक्ष एवं क्षय रोग विशेषज्ञ

डॉ. विश्वास जौहरी — जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. धवल शर्मा — जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. गौरव वधावन — जनरल सर्जन
डॉ. एम.एम. मंगल — जनरल सर्जन
डॉ. के.सी. व्यास — जनरल सर्जन
डॉ. हनुवंत सिंह राठौड़ — यूरोलॉजिस्ट एवं रिकन्स्ट्रक्शनल सर्जन
डॉ. प्रवीण झंवर — बाल एवं नवजात शिशु सर्जन
डॉ. विकेश कुमार जोशी — कान्सलटेन्ट जी.आई. सर्जन
डॉ. सौरभ शर्मा — कैंसर रोग सर्जन
डॉ. गुरु भूषण — बर्न एंव प्लास्टिक सर्जन
डॉ. अनुरोध शाडिल्य — स्पाइन एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन
डॉ. शिव कौशिक — नाक–कान–गला विशेषज्ञ
डॉ. राजरानी शर्मा — स्त्री एवं प्रसूति रोग सर्जन
डॉ. वैभव कुमार — नेत्र रोग सर्जन
डॉ. शिवानी भारद्वाज — चर्म रोग एवं सौन्दर्य विशेषज्ञ
डॉ. पुनीत जैन — बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ
डॉ. मनीषा वाजपेयी — साइंटिफिक डायरेक्टर, आई.वी.एफ

मेडिसिन विभाग

- मस्तिष्क रोग विभाग
- हृदय रोग विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- कैंसर रोग विभाग
- मधुमेह, थायराइड एवं हार्मोन रोग विभाग
- जनरल मेडिसिन विभाग
- गुर्दा रोग विभाग

सर्जरी विभाग

- मूत्र रोग सर्जरी विभाग
- कैंसर रोग सर्जरी विभाग
- पेट एवं लीवर रोग सर्जरी विभाग
- बाल एवं नवजात शिशु सर्जरी विभाग
- जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग
- बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग

- नाक-कान-गला रोग विभाग
- वक्ष एवं क्षय रोग विभाग
- बाल एवं शिशु रोग विभाग
- ऑर्थो एवं स्पाइन विभाग
- स्त्री एवं प्रसुति रोग विभाग
- मनो चिकित्सा विभाग
- नेत्र रोग विभाग
- चर्म रोग विभाग

IVF@₹70,000*
इंजेक्शन सहित
*नियम व शर्तें लागू।

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना | RGHS राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना | कर्मचारी राज्य बीमा योजना ESIC | जननी सुरक्षा योजना JSY

अंबेरी पुलिया से पेसिफिक हॉस्पिटल बेदला के लिए आने एवं जाने के लिए मरीजों को नि:शुल्क वाहन की सुविधा

योजनाओं एवं सभी इंश्योरेंस एवं TPA के कैशलेस ईलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल

*नियम व शर्तें लागू। *दवाईयां, इम्प्लांट एवं कन्ज्यूमेबल अतिरिक्त

24/7 सुविधाएें उपलब्ध

पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल

भीलों का बेदला, एन.एच.-27, प्रताप पुरा, अम्बेरी, उदयपुर - 313011 (राजस्थान)
फोन : 9549597248, 8239278607

अजमेर दरगाह वाद मामले के परिवादी विष्णु गुप्ता पर बदमाशों ने फायरिंग की

किसी तरह अपनी जान बचाते हुए विष्णु गुप्ता और ड्राइवर ने गाड़ी की रफ्तार दोगुनी कर ली और अपनी जान बचाई

पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने मौके पर जाकर जांच की।

- **हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता अपने ड्राइवर के साथ दिल्ली जा रहे थे, बाइक सवार दो बदमाशों ने फायरिंग की और फरार हो गए**
- **गोलीबारी की वारदात अजमेर-दिल्ली हाईवे पर गगवाना के निकट लाडपुरा पुलिया के पास हुई, पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे, एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए**
- **दरगाह वाद प्रकरण में याचिका दायर करने के बाद से विष्णु गुप्ता को लगातार धमकियां मिल रही थी, इसी के चलते पुलिस ने एक पीएसओ तैनात किया था**

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा साहब की दरगाह में मंदिर होने के दावे के प्रकरण में परिवादी और हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पर शनिवार सुबह अज्ञात बदमाशों ने गोलीबारी की और फरार हो गए। यह वारदात अजमेर-दिल्ली हाईवे पर गगवाना के निकट लाडपुरा पुलिया के पास हुई। गुप्ता अपने ड्राइवर के साथ दिल्ली जा रहे थे, तभी बाइक सवार दो बदमाशों ने उनका पीछा करते हुए फायरिंग की घटना को अंजाम दिया और मौके बदमाश फरार हो गए।

परिवादी विष्णु गुप्ता ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि कार से दिल्ली जा रहे थे, तभी गगवाना के निकट लाडपुरा पुलिस के पास शनिवार सुबह करीब छह बजे उनकी कार पर अज्ञात बदमाशों ने पहली गोली चलाई गई, जिसके बाद ड्राइवर ने कार की गति तेज कर दी। थोड़ी ही देर बाद बदमाशों ने दूसरी गोली चलाई, जो कार के नीचले हिस्से में लगी। किसी तरह अपनी जान बचाते हुए गुप्ता और उनके ड्राइवर ने गाड़ी की रफ्तार दोगुनी कर ली, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। गुप्ता ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद गेगल थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा और जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल को सील कर एफएसएल टीम ने जांच शुरू कर दी। कार पर गोली लगने के निशान मिले हैं और साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान हो सके।

दरगाह वाद प्रकरण में याचिका दायर करने के बाद से विष्णु गुप्ता को लगातार धमकियां मिल रही थीं। इसी के चलते पुलिस ने उनके लिए एक पीएसओ तैनात किया था। हालांकि घटना के समय सुरक्षा गार्ड उनके साथ मौजूद नहीं था। पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि एफएसएल टीम ने गाड़ी की जांच कर गोलीबारी के साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग और आस-पास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हमलावर कौन थे और वे किस उद्देश्य से फायरिंग कर रहे थे।

गुप्ता ने कहा मैं डरने वाली नहीं... :- बदमाशों द्वारा फायरिंग की घटना के बाद विष्णु गुप्ता ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है साथ ही उन्होंने कहा कि उन्हें पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं, लेकिन वे इस तरह के हमलों से डरेंगे नहीं। वहीं हमले ने उनकी सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है, जब विष्णु गुप्ता को निशाना बनाया गया हो। करीब तीन महीने पहले उन्होंने अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें धमकी भरे फोन कॉल्स आ रहे हैं। कॉलर ने उनसे दरगाह में हिंदू मंदिर होने के मामले को वापस लेने की धमकी दी थी और जान से मारने की बात कही थी। इसके अलावा कॉल पर गाली-गलौच और अपमानजनक भाषा का उपयोग किया गया था।

डिस्कॉम का तकनीशियन दस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

आरोपी तकनीशियन ने परिवादी को जुर्माने का भय दिखाकर रिश्वत मांगी थी

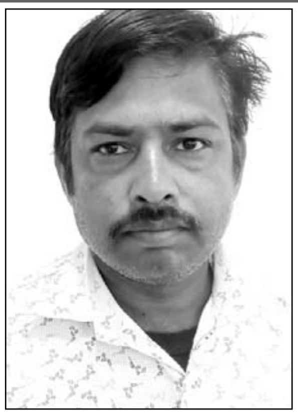

आरोपी तकनीशियन

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जोधपुर के केतूकला में विद्युत विभाग के तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) को दस हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी ने परिवादी को जुर्माने का भय दिखाकर रिश्वत मांगी थी। सत्यापन के बाद शनिवार को उसे गिरफ्तार किया।

ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई द्वारा शनिवार को कार्रवाई करते हुए आरोपी तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) केतुकला कार्यालय सहायक अभियन्ता विद्युत विभाग सेखाला डिस्कॉम के खेमचंद को पकड़ा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी जोधपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके बिजली कनेक्शन पर केतूकला के विद्युत विभाग के तकनीशियन प्रथम (लाइनमैन) खेमचन्द द्वारा एक लाख रूपए की शीट फाड़ने का भय दिखाकर 15 हजार रूपए की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है।

ब्यूरो के डीआईजी हरेन्द्र महावर के सुपरविजन में एसीबी जोधपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस सोनी के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपी खेमचन्द तकनीशियन प्रथम (लाइनमेन) केतुकला कार्यालय सहायक अभियन्ता विद्युत विभाग सेखाला डिस्कॉम जोधपुर को परिवादी से 10 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी खेमचन्द लाइनमैन द्वारा शिकायत के सत्यापन के समय भी परिवादी से 3 हजार रूपए रिश्वत के रूप में वसूल कर लिए थे। आरोपी से पूछताछ जारी है।

कोचिंग छात्र के अपहरण का खुलासा, दो गिरफ्तार

- **पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार को भी जप्त किया**
- **दिल्ली का रहने वाला छात्र नीट की कोचिंग कर रहा था**

कोटा, (निसं)। विज्ञान नगर इलाके में दिल्ली निवासी नीट की कोचिंग कर रहे छात्र का अपहरण कर फिरौती मांगने का मामला सामने आने पर पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार भी जप्त की है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि नीट की तैयारी कर रहे कोचिंग छात्र ने 24 जनवरी को विज्ञान नगर थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि 21 जनवरी शाम को कुछ लड़के काले रंग की स्कार्पियो कार में लेकर आये और दो घंटे तक कार में उसे इधर से उधर घुमाने के बाद धमकी देते हुए होस्टल पर छोड़ गये। शहर एसपी ने कहा कि मामला सामने आने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस उपअधीक्षक लोकेन्द्र पालीवाल के निर्देशन में विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मामले में गंभीरता दिखाते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया एवं सीसीटीवी फुटैज खंगाले। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने तकनीकी सहायता एवं मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मोहित मिश्रा उर्फ रोहित एवं अरूपराज रजक उर्फ अरूण को डिटेन किया।

विज्ञान नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि उनके बीच रूपयों के लेन-देन का विवाद है, वह उसको समझाने के लिये लेकर गये थे। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि फरियादी छात्र के एक दोस्त ने अंशुल गुर्जर को 20 हजार रूपये उधार दिये थे। अंशुल गुर्जर के पास लौटाने के रूपये नहीं थे तो फरियादी छात्र के दोस्त ने अंशुल गुर्जर के पिता को फोन करने की बात कही। इस बात से नाराज होकर अंशुल गुर्जर, मोहित, अरूपराज व अन्य ने फरियादी छात्र को स्कॉपियो गाड़ी में बैठाकर ले गये थे और उससे हर माह 5000 रूपये की फिरौती मांगने की बात भी सामने आयी है। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में मोहित मिश्रा उर्फ ऑक्सीजन उर्फ रोहित (22) एवं अरूपराज रजक उर्फ अरूण (20) को गिरफ्तार कर लिया है। प्रकरण में अन्यों आरोपियों की तलाश जारी है।

फरियादी छात्र की मां ने बताया कि छह माह पहले उसका बेटा नीट की तैयारी के लिए कोटा आया है। हॉस्टल से फोन गया कि वे दो दिन से कमरे के बाहर नहीं निकला है। उन्होंने फोन पर अपने बेटे से संपर्क किया लेकिन उसके बेटे ने फोन नहीं उठाया जिसके बाद वो दिल्ली से कोटा पहुंची तब जाकर उन्हें पूरी घटना का पता चला और इसकी जानकारी पुलिस को दी।

नकली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन सिटी पुलिस ने नकली नोटों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 10 लाख 75 हजार रुपए के नकली नोट बरामद हुए हैं। आरोपी भोले-भाले लोगों को नोट दोगुना करने का झांसा देकर असली नोटों के बदले नकली नोट देकर फरार हो जाते थे। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों का रिमांड मंजूर करवा कर पूछताछ में जुटी हुई है।

एसीपी अरशद अली ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली कि हनुमानगढ़ में एक ठगी का गिरोह सक्रिय है, जो लोगों को नोट दुगना करने का झांसा देकर ठगी करता है। इस सूचना पर एसपी ने जिला विशेष टीम के माध्यम से गिरोह की गतिविधियों पर नजर रखने के आदेश दिए। पुलिस टीम ने लगातार सूचनाओं का संकलन कर गुरजंट सिंह उर्फ बिटटू और लखवीर सिंह उर्फ लखा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों से 10 लाख 75 हजार रुपये के नकली नोट (चिल्ड्रन बैंक) और 2200 रुपए की असली भारतीय मुद्रा बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाना हनुमानगढ़ जंक्शन में मामला दर्ज कर लिया गया है। विशेष रूप से यह भी पता चला है कि इन आरोपियों के खिलाफ पहले भी ठगी के कई मामले दर्ज हैं।

आरोपी लोगों से संपर्क कर उन्हें नोट दुगना करने का झांसा देते थे। वे वीडियो के जरिए नकली नोटों की गडियां दिखाकर विश्वास जीतते थे। शुरुआत में वे कस्टमर को एक असली नोट सैम्पल के रूप में दिखाते थे, ताकि ग्राहक को यह विश्वास हो जाए कि वह नोट असली है। बाद में जब ग्राहक उनसे मिलने के लिए आता था, तो आरोपी नकली नोटों की गड्डियां बनाकर उनके साथ ठगी करते थे, असली नोट के ऊपर-नीचे नकली नोट लगा कर उन्हें धोखा देते थे। मामले में पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुरजंट सिंह उर्फ बिटटू उर्फ जन्टा (28) पुत्र कश्मीर सिंह रायसिख, निवासी फतेहपुर थाना संगरिया, हनुमानगढ़ और लखवीर सिंह उर्फ लखविन्द्र सिंह उर्फ लखा (27) पुत्र जगराज सिंह मजबीसिख, निवासी चक ज्वालासिंह वाला, हनुमानगढ़ के रूप में हुई। इस पूरे ऑपरेशन में जिला विशेष टीम (डीएसटी) हनुमानगढ़ की अहम भूमिका रही है, जिनकी सूझबूझ और मेहनत से यह सफलता मिली। सीओ सिटी मीनाक्षी और जंक्शन सिटी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

जमीन के लिए बुजुर्ग महिला को जलाने का प्र्रयास

हनुमानगढ़, (निसं)। टिब्बी पुलिस थाने में बुजुर्ग महिला ने बेटे-बहू के खिलाफ घर में घुसकर जेवरात व नकदी चुराने और जमीन अपने नाम करवाने के लिए जलाकर मारने का प्रयास करने का मामला दर्ज कराया है।

टिब्बी थाने के एएसआई देवीलाल ने बताया कि निर्मला (65) पत्नी भूपसिंह बिश्नोई निवासी राधा स्वामी डेरे के पास, टिब्बी ने इस्तगासे के जरिए मुकदमा दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि वह रिहायशी मकान में अपने पुत्र सुरेश कुमार के साथ रहती है। उसके नाम से चक नम्बर 14 जीजीआर में 25 बीघा भूमि है। उसके दो पुत्र सुरेश कुमार व पवन कुमार व दो पुत्रियां हैं। उसने अपने पुत्रों को नोहर तहसील की 20 बीघा जमीन बंटवारे में देकर उनके नाम से दर्ज करवा दी थी, जबकि उक्त 25 बीघा भूमि उसके खुद के कब्जा काश्त में है। उसका पुत्र पवन कुमार व पुत्रवधू रवीना उर्फ रेणु निवासी चक 14 जीजीआर तहसील टिब्बी उसे परेशान करते हैं। आए दिन लड़ाई-झगड़ा व मारपीट करते हैं। पवन कुमार व रवीना ने उसकी भूमि अपने नाम करवाने के लिए एक बार उसे जलाकर मारने का प्रयास भी किया। वह पुत्र व पुत्रवधू से डरकर अपने मकान को ताला लगाकर अपने दूसरे पुत्र सुरेश सहित पुत्री के पास जयपुर चली गई। जब वे 16 जनवरी को जयपुर से वापस घर आकर देखा कि घर के गेट पर लगा ताला टूटा हुआ था। उसके घर में पवन कुमार व पुत्रवधू रवीना उर्फ रेणु किसी समय मकान का ताला तोड़कर जबरदस्ती उसके मकान में घुस गए। उन्होंने सन्दूक में रखे 10 तोला सोने के आभूषण व दो लाख रुपए की नकदी चोरी कर ली।

सरकारी स्कूलों को पांच हजार प्रिंसिपल मिलेंगे

बीकानेर, (निसं)। सरकारी स्कूलों में काम कर रहे पांच हज़ार टीचर्स को प्रिंसिपल की पोस्ट पर प्रमोट किया गया है। अब इन टीचर्स को अन्य स्कूल की जिम्मेदारी दी जाएगी, लेकिन फिलहाल पुराने पद पर काम करते रहेंगे।

राजस्थान शिक्षा (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम-2021 के नियम 31 (ख) के प्रावधानों के अनुसार प्राचार्य एवं समकक्ष पदों पर पदोन्नति के लिए गठित विभागीय पदोन्नति समिति की 17 जनवरी को आयोजित बैठक में की गई अनुशंषा के अनुसार उपप्राचार्य पद के 5005 अभ्यर्थियों का प्राचार्य एवं समकक्ष पद डीपीसी वर्ष 2023-24 के लिए उपलब्ध रिक्ति के प्रति वरिष्ठता-सह-योग्यता के आधार पर चयन किया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने शुक्रवार को विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा चयनित 5005 कार्मिकों को आगामी आदेशों तक अपने वर्तमान पद को अस्थाई रूप से यथा आवश्यकता अनुसार क्रमोन्नत मानते हुए अपने नाम के सम्मुख अंकित तिथि को अथवा इसके पश्चात कार्यग्रहण कर यथावत कार्यरत रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कार्यग्रहण रिपोर्ट अविलम्ब विभाग को सूचित करने के लिए निर्देशित किया है। समस्त कार्मिकों को आदेश जारी होने से आगामी 15 दिवस तक पदोन्नति पर कार्यग्रहण किया जाना अनिवार्य होगा, अन्यथा स्वत: पदोन्नति परित्याग माना जाएगा और पदोन्नति परित्याग संबंधी आदेश जारी करने की कार्यवाही के लिए विभाग स्वतंत्र रहेगा।

असम राइफल्स में वारंट ऑफिसर की नौकरी लगाने के नाम पर दस लाख की ठगी

पिता-पुत्र ने मिलीभगत कर फर्जी कॉल लेटर जारी करवाया, अब धोखाधड़ी में केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती रममान का हत्था एकता नगर में रहने वाले युवक को उसके भाई की असम राइफल्स में वारंट ऑफिसर पद पर नौकरी लगाने के नाम पर बाप-बेटे ने दस लाख की ठगी कर ली। ना तो दोनों ने नौकरी दिलवाई और ना ही रकम लौटा रहे हैं। बाप-बेटे ने मिलीभगत कर फर्जी कॉल लेटर भी जारी करवाया। पीड़ित ने अब मंडोर थाने में कोर्ट में इस्तगासा दायर कर फर्जीवाड़े का केस दर्ज कराया है। पुलिस ने अग्रिम पड़ताल आरंभ की है।

मामले में मेघवालों का बास गढ़सूरिया बोरूंदा हाल एकता नगर रमजान का हत्था बनाड़ निवासी अर्जुनराम मेघवाल ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि पीपाड़ शहर के जालका निवासी जबराराम और उसके पुत्र रामकिशोर ने मिलकर उसके साथ दस लाख की ठगी कर ली। रिपोर्ट के अनुसार परिवादी के पास में 17 मई 23 को रामकिशोर और उसके पिता जबराराम का कॉल आया था। तब उन्होंने परिवादी के भाई दिलीप परिहार को असम राइफल्स टेक्निकल एंड ट्रेडसमैन रिक्रूटमेंट रैली में वारंट ऑफिसर के पद पर गारण्टी से नौकरी लगाने का विश्वास दिलाया और कहा कि हम तेरे भाई को नौकरी लगा देंगे। नौकरी के एवज में करीबन 10 लाख रूपये की मांग की। रामकिशोर चौपड़ा के परिचित व मित्र होने के कारण परिवादी ने रामकिशोर व उसके पिता जबराराम पर विश्वास व भरोसा करते हुए ऑनलाइन फोन पे के जरिये अलग-अलग 21 मई 2024 से अलग-अलग तारीखों तक करीबन 7 लाख रूपये मोबाईल पर अदा कर दिए।

आरोपियों ने 6 फरवरी 2024 को 3 लाख पहले ही रोकड़ ले लिए थे। इसके कुछ समय बाद प्रार्थी द्वारा रामकिशोर व उसके पिता जबराराम को फोन किया गया जिस पर उनके द्वारा कहा गया कि कुछ दिन तक रुकों तुम्हारे भाई की नौकरी के लिए आगे बात कर ली है और उन्हें रूपयें भी भेज दिए है। आपके भाई की नौकरी का कॉल लेटर व ई-मेल के जरिये सूचना आ जायेगी। उसके बाद प्रार्थी कुछ दिन तक रूका। तब 22 नवंबर 2023 व 5 जुलाई 2024 को प्रोविजिनल अपॉइंटमेंट लेटर का कॉल लेटर आया।

तब परिवादी को 22 नवम्बर 2023 व 5 जुलाई 2024 को प्राप्त कॉल लेटर की सत्यता जानने के लिए विभाग जाने से पूर्व रोक लिया गया। बाद में रामकिशोर चौपड़ा का कॉल व मैसेज आया और कहा कि असम राइफल्स टेक्निकल एंड ट्रेडसमैन रिक्रूटमेंट रैली वारंट ऑफिसर के पद की भर्ती रद्द कर दी गई और रामकिशोर ने यह भी कहा कि अनेक अभ्यर्थियों के फर्जी कॉल-लेटर जारी कर दिए हैं, इसलिए भर्ती रद्द कर दी गई है। बाद में जब उनसे रूपए वापिस मांगे तो वे टालमटोल जवाब देने के साथ नौकरी लगवाने का आश्वासन देते रहे। आखिरकार में रूपए लौटाने से इंकार कर धमकाया और कहा कि उनके द्वारा ही फर्जी कॉल लेटर जारी करवाया गया था।

वध के लिए ले जाते दो ऊंट जब्त

जुरहरा, (निसं)। शनिवार को जुरहरा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर ग्राम कुकरपुरी के जंगल में वध के प्रयोजन से राजस्थान सीमा से हरियाणा सीमा की तरफ ले जा रहे दो ऊंटों को जब्त कर कब्जे में लिया। पुलिस टीम ने जमील पुत्र नूर मौहम्मद, हसन पुत्र इलियास, तालिम पुत्र इलियास, शाहिद पुत्र जमील निवासी ग्राम लुहिंगा कला थाना पुन्हाना हरियाणा का काफी पीछा किया, लेकिन दूरी अधिक होने, कच्चे रास्ता, खड़ी फसल एवं हरियाणा सीमा की भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021 (Comptroller Office)
No. : F2/VMOU/Purchase & Store/2024-25/2328 Date : 24/01/2025
NOTICE INVITING TENDERS
Tenders are hereby invited from reputed & registered firms/agencies for "Supply, Installation & Commissioning of Apple Mac Studio" (Estimated Cost Rs. 10.00 Lakh, NIB No. 47/2024-25 ,UBN No. VMU2425GSOB00046). Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in** & **www.vmou.ac.in** w.e.f. 30/01/2025.
Raj.Samwad/C/24/10814 OIC P&S

Reg.No-2621-Y-25-02-2011 GSTIN: 05AAIAS5032P1ZZ
सलुम्बर क्रय विक्रय सहकारी समिति लि.सलुम्बर
जिला सलुम्बर राजस्थान
क्रमांक 11 दिनांक 25-01-2025
मिड-डे-मिल योजनान्तर्गत भारतीय खाद्य निगम/सी. डब्ल्यू. सी./आर. एस. डब्ल्युसी, व अन्य स्थान के गोदाम से उठाकर सलुम्बर जिले के सलुम्बर झल्लारा, सराडा, सेमारी, जयसमन्द और लसाडिया पंचायत ससिति के विद्यालयो में वितरण करने हेत निविदा वर्ष 2025-26 में राजकीय दरों मे कम या ज्यादा प्रतिशत राशि पर मोहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं निविदा प्रपत्र कार्यालय समय में दिनांक 25/01/2025 से 06/02/2025 तक क्यालय समय में 500 /-रुपये जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा जमा कराने की दिनांक 06/02/2025 को दोपहर 2.00 बजे एवं उसी दिन दोपहर 3.00 बजे निविदाताओ के समक्ष सलुम्बर क्रय विक्रय सहकारी समिति में खोली जावेगी। विस्तृत निविदा शर्ते कार्यालय समय में देखी जा सकती है। निविदा स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार निविदा कमेटी में निहित होगा। निविदा बिना बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित है।
मुख्य प्रबन्धक
सलुम्बर क्रय विक्रय सहकारी समिति लि सलुम्बर

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे डीडवाना जिले के दौरे पर रही

डीडवाना विधायक यूनुस खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वसुंधरा राजे का अभिनंदन किया।

- **राजे ने मकराना के पूर्व विधायक श्रीराम भींचर की पत्नी के निधन पर शोक जताया**
- **वसुंधरा राजे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताई**

डीडवाना, (निसं)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे शनिवार को डीडवाना जिले के दौरे पर रही। इस दौरान वे मकराना के बोरावड़ पहुंची, जहां पूर्व विधायक श्रीराम भींचर की पत्नी के निधन पर आयोजित शोक सभा में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का यह दौरा शोक संवेदना व्यक्त करने से जुड़ा था, लेकिन इस दौरे से वसुंधरा राजे ने डीडवाना जिले की सियासत को साधने का काम किया है।

इससे पूर्व वसुंधरा राजे ने खरनाल के सत्यवादी वीर तेजाजी मंदिर के दर्शन कर तेजाजी महाराज को नमन किया। इसके बाद वसुंधरा राजे डीडवाना विधानसभा के ग्राम छोटी खाटू पहुंची, जहां वसुंधरा राजे का स्वागत समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीडवाना विधायक यूनुस खान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने वसुंधरा राजे का अभिनंदन किया। वहीं विधायक यूनुस खान ने वसुंधरा राजे को चुनरी ओढ़ाई। इस दौरान राज्यमंत्री मंजू बाघमार, खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में वसुंधरा राजे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अपनी भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने डीडवाना और नागौर जिले सहित पूरे प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर किया, जिस डीडवाना व नागौर जिले के लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर थे, उस नागौर को हमारी सरकार ने हिमालय का मीठा पानी पिलाया। पूरे प्रदेश में सड़कों का मजबूत नेटवर्क बनाकर प्रमुख शहरों के साथ ही गांव, ढाणियों को भी सड़कों से जोड़ा। हमारी सरकार ने आमजन को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए भामाशाह योजना चालू की। महिला सुरक्षा और किसान उत्थान के लिए कई योजनाएं लागू की।

इस अवसर पर वसुंधरा राजे ने कहा कि भाजपा ही राजस्थान का चहुंमुखी विकास कर सकती है। इसलिए जनता ने 2023 में विकास विरोधी व जनविरोधी कांग्रेस सरकार को बदलकर प्रदेश की कमान फिर से भाजपा को सौंप दी है। अब प्रदेश फिर से प्रगति के पथ पर अग्रसित होगा और किसान, युवा, महिला, मजदूर, छात्र, बेरोजगार हर वर्ग को सम्मान से जीवन-यापन करने का मौका मिलेगा।

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम
कौशल भवन, जे-8-बी, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004 (राजस्थान)
फोन - 0141-5103246, 5103247 वेबसाइट - www.livelihoods.rajasthan.gov.in
क्रमांक :- आरएसएलडीसी/प्रशा./रिक्तियां/2024-25/राजकाज 13177997 दिनांक :- 23/01/2025
विज्ञप्ति
राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम द्वारा राज्य के बेरोजगार युवाओं के कौशल प्रशिक्षण की परियोजना के क्रियान्यवन हेतु निम्नलिखित पदों पर राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/सार्वजनिक उपक्रमों/बोर्ड/संघ के योग्य एवं अनुभवी अधिकारियों से विशेष चयन द्वारा प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र. सं.	पद का नाम	पद की ग्रेड पे / 7th पे मेट्रिक्स लेवल	आवश्यक न्यूनतम ग्रेड पे / 7th पे मेट्रिक्स लेवल	रिक्त पद
1.	महाप्रबन्धक	8200 / L-20	7600 / L-19	2
2.	उपमहाप्रबन्धक	7600 / L-19	6600 / L-16	1
3.	प्रबंधक	6600 / L-16	5400 / L-14	5

नोट :-
1. विस्तृत विज्ञप्ति, शर्तों एवं आवेदनपत्र का प्रारूप **www.livelihoods.rajasthan.gov.in** विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है। रिक्त पदों की संख्या कम या अधिक भी हो सकती है। जिसके अनुसार प्राप्त आवेदनो में से चयन समिति द्वारा चयन किया जायेगा।
2. उपरोक्त सभी पद विशेष चयन से भरे जाने हैं।
3. विज्ञप्ति में दर्शाये गये पदो का पैनल तैयार किया जाएगा।
4. निगम द्वारा आवदेक के पैतृक विभाग (नियुक्ति अधिकारी) से अग्रेषित प्राप्त आवेदन पत्र पर ही विचार किया जाएगा।
5. एक आवेदक द्वारा अधिकतम दो पदों के लिए आवेदन किया जा सकता है।
6. **आवेदन की अन्तिम तिथि 24.02.2025 है।**
7. **निजी प्रतिष्ठानों में कार्यरत कार्मिक कृपया आवेदन नहीं करें।**

राज.संवाद/सी/24/10827 प्रबन्ध निदेशक

दिया कुमारी ने विद्याधर नगर लोहामण्डी में उच्च जलाशय का शिलान्यास किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग बीसलपुर पृथ्वीराज नगर पेयजल परियोजना फेज-द्वितीय के अन्तर्गत विद्याधर नगर विधानसभा के लोहा मण्डी में 8 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उच्च जलाशय निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। इसके साथ ही विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 1 करोड़ 80 लाख 75 हजार की निर्माण लागत के अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसमें नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड नं.15 में वॉलीबॉल कोर्ट का शिलान्यास व विभिन्न लोकार्पण शामिल हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा इस 17 लाख 50 हजार लीटर क्षमता वाली टंकी के निर्माण के बाद आने वाले समय में क्षेत्र के वार्ड नम्बर 2 के सुभाष नगर, बालाजी विहार, गणेश नगर, अरावली विहार, भगवान नगर, विलोची नगर, अमन एन्क्लेव और आस-पास के क्षेत्र की पेयजल समस्याओं का समाधान होगा।

दिया कुमारी ने नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड नं. 15 में देवधारा कॉलोनी में 21 लाख की लागत का सी.सी. सडक कार्य, शंकर विहार व विकास नगर में 36 लाख की लागत का सी. सी. सड़क कार्य, देव नगर में 19 लाख की लागत का सी.सी. सड़क निर्माण कार्य, रामेश्वर धाम में 30 लाख 75 हजार की लागत का सी. सी. सड़क एवं ब्लॉक टाईल्स कार्य, आर्य नगर विस्तार एवं बालाजी विहार में 18 लाख की लागत का ब्लॉक टाईल्स कार्य, गंगा जमुना विहार एवं शिवपुरी में 16 लाख की लागत का ब्लॉक टाईल्स कार्य, विकास नगर विस्तार में 20 लाख की लागत का डामर सड़क निर्माण कार्य सहित कुल 1 करोड़ 60 लाख 75 हजार के कार्यों के लोकार्पण किये। इसी प्रकार उन्होंने नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड नं. 15 में दादी का फाटक आर.ओ.बी. के नीचे 20 लाख की लागत से वॉलीबॉल कोर्ट के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

वहीं दूसरी ओर दिया कुमारी ने

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर विधानसभा के लोहा मण्डी में 8 करोड़ 96 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उच्च जलाशय निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

- **विद्याधर नगर विधानसभा के वार्ड नम्बर 3 पार्षद कार्यालय का उद्घाटन किया**

विधाधर विधानसभा क्षेत्र के श्रीनाथ कुंज कॉलोनी, अनोखा गांव, हरमाड़ा में वार्ड संख्या 3 के पार्षद हरिशंकर बोहरा के नवनिर्मित पार्षद कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समय पर निराकरण और क्षेत्र के विकास में पार्षद कार्यालय का महत्वपूर्ण योगदान होता है जहां आमजन स्थानीय स्तर पर अपनी समस्याओं को लेकर जाता है। ऐसे में यह पार्षद कार्यालय क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस दौरान जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, पार्षद हरिशंकर बोहरा, मंडल अध्यक्ष अशोक शर्मा, वार्ड 103 पार्षद महेंद्र शर्मा, सुनीता राठौड़, सुरेश जांगिड़, सुनील करोड़िया, विजय शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता और वार्डवासी उपस्थित रहें।

'मतदान बहुत बड़ी ताकत'

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में शामिल हुए।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। उन्होंने कहा कि मतदान में इतनी ताकत है कि इससे छोटे को बड़ा किया जा सकता है और बहुत बड़े को भी छोटा किया जा सकता है। उन्होंने बगैर लालच के निर्भीक होकर मतदान में सभी को भाग लेने का आव्हान किया।

बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को निर्भीक और निष्पक्ष होकर मतदान करते हुए लोकतंत्र को सुदृढ़ करने की शपथ भी दिलाई।

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय मूल की संस्कृति, आचार पद्धित विश्व भर में प्रेरणा देने वाली रही है। इस संस्कृति के कारण ही लोकशाही हमारे यहां आज भी जीवंत है। उन्होंने कहा कि आजादी मिलने पर चर्चिल ने कहा था कि भारत अज्ञानी देश है, यहां लोकतंत्र पनप नहीं सकेगा। पर यह हमारी मानवीय मूल्यों पर आधारित संस्कृति ही है, जिससे भारत विश्व का सबसे बडा लोकतांत्रिक राष्ट्र बना। उन्होंने नए युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने और मतदान में भागीदार बनने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने सभी को मतदान करने, मतदान सूचियों की त्रुटियां दूर करने में सहयोग करने और एक मतदाता का दो या तीन स्थानों पर नाम होने पर स्वयं प्रेरित होकर उसे एक ही स्थान पर सूची में नाम रखने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि "मतदाता दिवस" की सार्थकता इसमें है कि सामुहिक प्रयासों से अधिकाधिक मतदान हो। मतदान से कोई वंचित नहीं रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस मतदान के प्रति जागरूक ही नहीं करता बल्कि वोट देकर लोकतंत्र को मजबूत करने से जुड़ा प्रेरक पर्व है। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भी सभी को मिलकर प्रयास करने का आव्हान किया। राज्यपाल ने समारोह में मतदान जागरूकता के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले 35 अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आरंभ में उन्होंने मतदान जागरूकता के आलोक में निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन कर मतदान और लोकतंत्र से संबंधित पेंटिंग्स की सराहना की। उन्होंने नवीन युवा मतदाताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया।

भारत निर्वाचन आयोग के आयुक्त राजीव कुमार का संदेश भी इस दौरान प्रसारित किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि भारत में मतदाताओं की संख्या सर्वाधिक है। जल्द ही देश सौ करोड़ मतदाता वाला राष्ट्र हो जाएगा। यह कई देशों के संयुक्त मतदाता संख्या से भी अधिक है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता ने मतदान दिवस को उत्सव के रूप में मनाने का आव्हान किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने मतदान के महत्व की चर्चा करते हुए राजस्थान में मतदान के किए किए गए नवाचारों और मतदान दिवस के इतिहास और महत्व के बारे में विस्तार से अवगत कराया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज भी इस अवसर पर मौजूद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डा. जितेंद्र सोनी ने सभी का आभार जताया।

समारोह में आदिवासी कलाकारों द्वारा "वोट तुम डारो रसिया, लोकतंत्र की सुनो पुकार मत खोना अपना अधिकार" पर नृत्य और संगीत प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में करेंगे शिरकत

जयपुर। मुख्यमंत्री उदयपुर के महाराणा भूपाल स्टेडियम में राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रातः 9.30 बजे शामिल होंगे। इससे पहले वे प्रातः 9 बजे उदयपुर में शहीद स्मारक (नगर निगम) पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे।

जितेन्द्र कुमार सोनी को जयपुर संभागीय आयुक्त का अति.प्रभार

जयपुर। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर दो कलेक्टरों को संभागीय आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

आदेशानुसार जयपुर कलेक्टर जितेन्द्र डॉ.कुमार सोनी को जयपुर संभाग का और भरतपुर कलेक्टर डॉ. अमित यादव को भरतपुर संभाग का संभागीय आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है।

प्रबोधकों के नियम विरुद्ध किए तबादला आदेशों की क्रियान्विति पर रोक

जयपुर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने प्रबोधकों का ट्रांसफर तृतीय श्रेणी लेवल-1 के पद पर करने के आदेश की क्रियान्विति पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक से जवाब मांगा है। अधिकरण ने यह आदेश संजय कुमार जैन व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अधिकरण को बताया कि अपीलार्थी उच्च प्राथमिक स्कूलों में प्रबोधक के पद पर कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति राजस्थान पंचायती राज प्रबोधक सेवा नियम के तहत हुई थी। ऐसे में उनका ट्रांसफर समकक्ष पद पर ही किया जा सकता है। वहीं ट्रांसफर से पहले जिला परिषद की जिला स्थापना समिति से अनुमोदन लेना भी जरूरी है। इसके बावजूद भी शिक्षा विभाग ने इन सेवा नियमों का पालन किए बिना ही उनका ट्रांसफर किया है और जिला स्थापना समिति से भी अनुमोदन नहीं लिया गया। यह राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 289 की भी अवहेलना है। इसलिए तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगाई जाए।

गणतन्त्र दिवस पर देवनानी की शुभकामनाएं

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 76वें गणतन्त्र दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। देवनानी ने कहा है कि गणतन्त्र दिवस पर हम सभी को राष्ट्रके विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेना होगा।

देवनानी ने कहा है कि भारत की आत्मा भारतीय संविधान है। भारत के संविधान के प्रति श्रद्धा और जागरूकता बढाने के लिए राजस्थान विधान सभा में संविधान दीर्घा का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा है कि इस दीर्घा का उद्देश्य आमजन और युवाओं को भारत और भारत की सांस्कृतिक नैतिकता से परिचित कराना है।

डिफेक्टिव स्लीपर बेचने पर वुडलैंड पर 45 हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने ग्राहक को डिफेक्टिव स्लीपर बेचने को अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस करार दिया है। वहीं विक्रेता एरो क्लब यानि वुडलैंड इंडिया पर 45 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही परिवादिया से स्लीपर की कीमत के तौर पर वसूली गई 1836 रुपए की राशि भी ब्याज सहित लौटाने को कहा है। आयोग अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश सुनीता कुमावत के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि उसने विपक्षी के यहां से स्लीपर की एक जोडी खरीदी थी। इसके एक महीने बाद ही स्लीपर में डिफेक्ट आना शुरू हो गया। स्लीपर का कलर उतर गया और वह जगह-जगह से फट गया। वह किसी भी तरह से पहनने लायक नहीं रही। इस पर उसने विपक्षी से संपर्क कर बताया कि उन्होंने इस पर 90 दिन की गारंटी दी थी लेकिन यह एक महीने में ही खराब हो गई है। जिस पर उसे नवंबर 2020 के प्रथम सप्ताह में आने के लिए कहा। वह वापस गई तो विपक्षी टालमटोल करने लगा। ऐसे में उसकी स्लीपर ना तो बदली और ना ही उसकी कीमत ही वापस की।

कांग्रेस ने एक परिवार को खुश करने के लिए तो भाजपा ने जनहित में किए संविधान संशोधन : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा के संविधान गौरव अभियान के तहत शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एक ओर भाजपा है जिसने सदैव जनमत का सम्मान और लोकतंत्र का आदर किया। भाजपा ने अखंड भारत और जनहित के लिए संविधान में संशोधन किया और कश्मीर से धारा 370 हटाई। इतना ही नहीं, भाजपा ने संशोधन किया तो सीएए कानून पारित किया, भाजपा ने संविधान संशोधन किया तो हमारी बहनों को तीन तलाक से आजादी दिलाने के लिए किया। जबकि कांग्रेस ने सर्वाधिक 75 बार संविधान में संशोधन करके केवल एक परिवार को लाभ पहुंचाने का काम किया तथा जनता के मौलिक अधिकारों का हनन करने का काम किया।

- **'भाजपा ने अखंड भारत और जनमत के सम्मान में किए संविधान संशोधन, कश्मीर से हटाई धारा 370, तीन तलाक को किया समाप्त'**

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में प्रवेश करने के साथ ही संविधान को प्रणाम किया। संविधान का सम्मान और संविधान निर्माताओं का सम्मान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। भाजपा सर्वे भवंतु सुखिने की भावना के साथ काम करती है, जबकि कांग्रेस एक परिवार को खुश करने की नीति पर कार्य करती है। कांग्रेस दबाव डालकर, अफवाह फैलाकर भ्रमित करने की राजनीति कर रही है। ऐसे में संविधान और बाबा साहब के लिए भाजपा द्वारा किए गए कार्यों को हमें जनता तक पहुंचाना है। जनता को जागरूक करना है कि कांग्रेस ने सदैव संविधान और बाबा साहब का अपमान करने का कार्य किया है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस तो आरक्षण तक के विरोध में है। जबकि भाजपा ने पंचायती राज और नगरीय निकायों में एसटी-एससी वर्ग को आरक्षण देने का कार्य किया था।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्यसभा में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान को कांग्रेसियों ने देश के सामने तोड़ मरोड़ कर पेश किया। केवल वोट बैंक और एक वर्ग के समर्थन के लिए मिथ्या भ्रम फैलाने की राजनीतिक प्रयास किया। लेकिन हकीकत यह है कि कांग्रेस ने बाबा साहब का कभी सम्मान नहीं किया। इंदिरा गांधी ने 1971 में मौलिक अधिकारों के साथ छेडछाड़ करने का प्रयास किया। हमारे देश की निर्वाचित सरकारों को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने का काम किया। वहीं भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बांग्ला देश से आने वाले घुसपैठियों को शरण देने जैसे बयान के बाद भी उस निर्वाचित सरकार को बर्खास्त नहीं किया, क्योंकि भाजपा लोकतंत्र का सम्मान करती है।

संगोष्ठी में जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि संविधान निर्माता सदस्यों में हमारी 15 बहनों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इतना ही नहीं, हमारे राजस्थान से भी 12 गणमान्य लोगों ने संविधान निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई थी। ऐसे में हम उन सभी लोगों के आभारी है जिसने दुनिया में सर्वश्रेष्ठ संविधान निर्माण किया। संविधान गौरव अभियान के प्रदेश संयोजक एवं धोद विधायक गोरधन वर्मा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि कांग्रेस मिथ्या नेरेटिव सेट करने का कार्य करती है। इस मिथ्या नेरेटिव को दूर करने के लिए भाजपा की ओर से संविधान गौरव अभियान चलाया गया। कांग्रेस ने एसटी-एससी वर्ग को भाजपा से दूर करने का प्रयास किया लेकिन यह भारतीय जनता पार्टी है जिसमें इस वर्ग से सर्वाधिक विधायक, सांसद, मंत्री बनाए है। कार्यक्रम में मंच पर विधायक कैलाश वर्मा, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील कोठारी, चंद्रमोहन बटवाडा, जयपुर जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, उप महापौर पुनित कर्नावट, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रक्षा भंडारी, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, तेज सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम में जयपुर शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया और मंच संचालन भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत ने किया।

भाजपा के संविधान गौरव अभियान के तहत शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान विषय पर संगोष्ठी का प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने उद्घाटन किया।

महिलाओं की अश्लील फोटो खींच रहे थे 3 बदमाश

जयपुर। उप जिला अस्पताल में तीन बदमाशों द्वारा महिलाओं के अश्लील फोटो खींचने का मामला सामने आया है। इस मामले में उप जिला अस्पताल प्रशासन ने चौमूं थाने में मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार कुसलपुरा सामोद निवासी गोकुल चंद मीणा ने मामला दर्ज करवाया कि वह उप जिला अस्पताल चौमूं में सुरक्षा गार्ड है। यहां पर के एल सैनी और उसके दो साथी महिलाओं की फोटो खींच रहे थे। इस दौरान महिलाएं अपने बच्चों को स्तनपान करवा रही थी इसके अलावा बदमाश महिलाओं के इंजेक्शन लगाते समय की तस्वीर उतार रहे थे। जब इस मामले में महिला नर्सिंग कर्मियों ने आरोपियों को ऐसा करने से टोका तो वे अभद्रता पर उतार आए और उनके साथ धक्का-मुक्की की।

जयपुर पुलिस ने अलसुबह छापेमारी कर 200 हार्डकोर बदमाश दबोचे

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शनिवार अल सुबह अभियान चलाकर दक्षिण जिले के अलावा सभी थाना क्षेत्रों के लगभग 200 हार्डकोर और संदिग्ध बदमाशों को हिरासत लिया, अब इनसे पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो एवं उन्हें त्वरित न्याय मिल सके, इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया है।

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने बताया कि इस अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया एवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस उपायुक्त पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि जिला पूर्व के सभी थाना क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 170 बीएनएस में एनडीपीएस एक्ट, एमवी एक्ट, में लगभग 100 अपराधियों को गिरफ्तार किया। एक वाहन चोर का मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पश्चिम जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अल सुबह दबिश देकर 170 बीएनएस, एनडीपीएस एक्ट, 207 एमवी एक्ट में लगभग 30 अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त उत्तर राशि डूडी डोगरा ने बताया कि उत्तर जिले के सभी थाना क्षेत्रों में अपराधियों के खिलाफ धरपकड अभियान चलाया है। अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस द्वारा हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

नशीला पेय पदार्थ पिलाकर चोरी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नशीला पेय पदार्थ पिलाकर सोने का ब्रासलेट चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित राहूल सैनी निवासी करधनी ने दर्ज कराया कि 12 जनवरी को उसका बडा भाई राकेश सैनी होटल पर था। इस दौरान जानकार व्यक्ति जयकुमार सैनी उर्फ सोनू उर्फ अजय होटल पर आया। उसके बाद कुछ देर तक वहां बैठ कर बात-चीत की। तभी जय कुमार सैनी ने कहा कि उसे आपसे कोई बात करने के लिये दूसरे कमरे में ले गया। वहा पर जय कुमार सैनी ने उसके भाई को कुछ पेय पिलाया या कोई बेहोशी की दवाई सुंगाई। उसके बाद उसका भाई बेहोश हो गया। अगले दिन होश आया तब उसने खुद को संभाला तो पता चला की आरोपी जय कुमार सैनी ने उसके भाई के हाथ में पहना हुआ सोने का ब्रासलेट व एक सोने की अंगुठी जिनकी कीमत करीब 6 लाख रूपये से अधिक है तथा करीब 25 हजार रूपये नहीं है।

रिटायर नायब तहसीलदारों से वसूली, हाईकोर्ट ने लगाई रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिटायर नायब तहसीलदारों व गिरदावरों के खिलाफ निकाली गई राशि की वसूली पर अंतरिम रोक लगाते हुए प्रमुख राजस्व सचिव, पेंशन निदेशक सहित तहसीलदार सपोटरा से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश नूरुद्दीन व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने बताया कि याचिकाकर्ता करौली जिले की सपोटरा तहसील में गिरदावर के पद पर कार्यरत थे। उन्हें बाद में कार्य व्यवस्था के तौर पर नायब तहसीलदार पद की जिम्मेदारी दी। वे अपना कार्य नियमित तौर पर करते रहे। इस दौरान दो से चार साल पहले वे अपने पदों से रिटायर हो गए। वहीं तहसीलदार सपोटरा ने नवंबर 2024 में उन्हें बिना कोई नोटिस व सुनवाई का मौका दिए उनके सेवाकाल में रहने के दौरान के यात्रा भत्ता बिलों को अनियमित भुगतान माना।

वहीं उन्हें इस राशि की वसूली का आदेश जारी कर दिया। इसे याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि वसूली आदेश से पहले उनसे ना तो कोई स्पष्टीकरण मांगा है और ना ही यह स्पष्ट किया है कि यह राशि कौन से समय की है। वहीं राज्य सरकार ने समय-समय पर परिपत्र जारी कर रखे हैं कि रिटायर कर्मचारियों से तीन साल पहले के मामलों में कोई जांच कार्रवाई नहीं होगी। इसलिए उनसे होने वाली राशि की वसूली पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने रिकवरी पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र 31 जनवरी तक करें 'गिव अप'

नाम नहीं हटवाने वाले अपात्र व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी सरकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति के लिये खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा 3 दिसम्बर, 2024 से 'गिव अप' अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अन्तर्गत अपात्र व्यक्ति अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अगर 31 जनवरी 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी।

कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह प्रत्येक उपखंड में ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, उचित मूल्य दुकानदारों के माध्यम से इस प्रकार के व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए जयपुर ग्रामीण और शहर की सभी उचित मूल्य दुकानों पर नाम हटवाने हेतु आवेदन पत्र उपलब्ध करवाये गये हैं।

- **अब तक जयपुर में 15 हजार से अधिक अपात्र लाभार्थियों ने सूची से नाम हटवाये**
- **जिले की उचित मूल्य दुकानों से प्राप्त किये जा सकते हैं नाम हटवाने के आवेदन पत्र**

जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि आयकरदाता, सरकार कर्मचारी, अर्द्ध सरकारी कर्मचारी, स्वायतशासी संस्था में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय वाले व्यक्ति, ट्रेंक्टर एवं एक वाणिज्यिक वाहन जो जोविकोपार्जन में प्रयोग आते है, को छोड़कर चौपहिया वाहन धारक व्यक्ति अथवा निष्कासन की श्रेणी में आने वाले अन्य व्यक्तियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने की कार्यवाही सुनिश्चित करावें।

उन्होंने बताया कि कोई भी अपात्र व्यक्ति अपनी निकटतम उचित मूल्य दुकान से आवेदन पत्र प्राप्त कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवा सकता है। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी तक जयपुर शहर एवं ग्रामीण में 'गिव अप' अभियान में 15 हजार उपभोक्ताओं द्वारा अपने नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाये गये हैं। सरकार अब ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जो खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में शामिल होने के बावजूद भी इस योजना का लाभ ले रहे हैं। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि 31 जनवरी के पश्चात खाद्य सुरक्षा सूची में पाये जाने वाले कार्मिकों के विरुद्ध वसूली, शास्ति आरोपित की जावेगी। इस पेनल्टी की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उस व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, के अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जायेगी।

65 लाख की कीमत के 305 मोबाईल पुलिस ने बरामद किये

कोटा, (निसं)। शहर के अलग-अलग थाना इलाकों की पुलिस टीम ने ऑपरेशन साईबर शील्ड अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए करीब 65 लाख की कीमत के 305 मोबाईल रिकवर किये। पुलिस ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बुलाकर गुम हुए मोबाईलों को मालिकों को वापस लौटाया, अपना गुमा या चोरी हुआ मोबाईल मिलने पर मोबाईल मालिक के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। मोबाईल मालिकों ने गुमा हुआ मोबाईल मिलने पर पुलिस का भी आभार जताया। साइबर सेल की टीम ने इन मोबाईलों को ट्रेस कर रिकवर किया। शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि ऑपरेशन साइबर शील्ड अभियान के तहत विभिन्न थाना इलाको विगत वर्षो से कोचिंग छात्रों व आमजन से गुमशुदा हुए मोबाईल की रिकवरी के लिये शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में शहर के विभिन्न थानों में थानास्तर पर टीमें गठित कर रिकवरी के प्रयास किये। टीम ने साइबर सेल की टीम के साथ मिलकर राजस्थान व अन्य राज्यों में यूज किये जा रहे गुमशुदा मोबाईलों को ट्रैस कर टीम ने रिकवर किया। शहर एसपी ने बताया कि टीम ने 65 लाख की कीमत के 305 मोबाईल बरामद किये। रिकवर किये गये मोबाईलों में कोचिंग स्टूडेन्टो के मोबाईल भी हैं।

डोडा-चूरा सहित गिरफ्तार

छबड़ा (निसं)। बापचा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए षनिवार को एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 किलोग्राम से अधिक डोडा चूरा जब्त किया। वही, इसमें प्रयुक्त एक कार भी बरामद की गई। थानाधिकारी बुद्धराम जाट ने बताया कि नयागांव अमीनपुरा की पुलिया पर की जा रही नाकाबंदी के दौरान अमीनपुरा की तरफ से एक कार (सजुकी एसक्रोस) आई हुई दिखाई दी। जिसके चालक ने पुलिस को देख कार को एकदम से घुमाकर जाने का प्रयास किया जिसका पीछाकर पकड़ा।

फैशन के जरिए गणतन्त्र दिवस के रंग

कोटा, (निसं)। गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर विज्ञान नगर स्थित कुटुर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी संस्था के विद्यार्थियों ईशिता मित्तल, नुरेन अंसारी, भावना शकयावर, मोहम्म्द रेहान, नूर उल कमर एवं रोशनी द्वारा तिरंगे के तीन रंगों से ड्रेसेस तैयार की गयी जिन्हे मॉडल्स ने पहन प्रस्तुत किया। तिरंगे के तीन रंगों के संयोजन से ज्वैलरी भी तैयार की। संस्था की निदेशक पूजा राजवंशी ने बताया की संस्था द्वारा सभी राष्ट्रीय दिवस पर विशेष आयोजन किया जाते रहे हैं, और साथ ही गणतन्त्र दिवस की सभी को बधाई दी।

संगोष्ठी आयोजित

कोटा, (निसं)। मंडल रेल चिकित्सालय कोटा में शुक्रवार को हार्ट वाईज संस्था के सहयोग से ह्रदय रोग पर एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. साकेत गोयल वरिष्ठ ह्रदय रोग विशेषज्ञ ने संबोधित करते हुए ह्रदय रोग जागरूकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया की अगर आपको अच्छा स्वास्थ्य चाहिए तो अपने खान-पान और व्यायाम पर ध्यान देना पड़ेगा।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-दक्षिण, कोटा, राजस्थान

क्रमांक:-ननिको-द./उपायुक्त जोन द्वितीय/भ.नि.अनु./2025/16134-135 दिनांक: 23.1.25

स्वामित्व हस्तांतरण बाबत सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राम प्रसाद राठौर पुत्र श्री बद्रीलाल राठौर निवासी आवास संख्या एम.एन.सी.पी. 73 महावीर नगर तृतीय कोटा दक्षिण द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या एम.एन.सी.पी. 73 महावीर नगर तृतीय कोटा क्षेत्रफल 42 वर्गमीटर का स्वामित्व स्वयं के पक्ष में नाम हस्तांतरण करने का निवेदन किया है। आवास संख्या एम.एन.सी.पी. 73 महावीर नगर तृतीय कोटा क्षेत्रफल 42 वर्गमीटर का लीज डीड आवंटन कार्यालय राजस्थान आवासन मंडल कोटा अनुज्ञा पत्र क्रमांक एफ 1(7) एच 5/905 दिनांक 26.03.1997 से श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री रामप्रसाद को जारी की गई है। श्रीमती प्रेमलता की मृत्यु दिनांक 23.01.2024 को हो जाने के उपरांत उनके जीवित विधिक वारिसान 1. श्री हेमन्त राठौर 2. श्री प्रकाश चन्द राठौर 3. श्रीमती हेमलता 4. श्रीमती प्रीति राठौर पिसरान स्व. श्रीमती प्रेमलता पत्नी श्री रामप्रसाद राठौर द्वारा उक्त भूखंड में निहित स्वयं के हिस्से का हक पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 16.09.2023 से आवेदक श्री रामप्रसाद राठौर पुत्र श्री बद्रीलाल राठौर के पक्ष में त्याग दिया है।

आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार नगर निगम कोटा दक्षिण में मकान संख्या एम.एन.सी.पी. 73 महावीर नगर तृतीय कोटा आवासीय का जिसका क्षेत्रफल 42 वर्गमीटर के स्वामित्व नाम हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। उक्त भूखंड का स्वामित्व नाम हस्तान्तरण करने में किसी व्यक्ति, संस्था या अन्य किसी को भी उक्त भूखंड से संबंध रखता है, को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 07 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में उपायुक्त द्वितीय कक्ष में प्रस्तुत करें। बाद मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

उपायुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 4709 **जाहिर आम सूचना** दिनांक - 23.1.25

आवास संख्या 5-जे-5 तलवण्डी कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री ताराचन्द खाण्डेकर पुत्र श्री रामदयाल खाण्डेकर को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री ताराचन्द खाण्डेकर पुत्र श्री रामदयाल खाण्डेकर द्वारा दिनांक 27.03.1997 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर पुत्र श्री रामदयाल खाण्डेकर की मृत्यु दिनांक 20.04.2005 को एवं इनकी पत्नी श्रीमती सावित्री खाण्डेकर की मृत्यु दिनांक 17.05.1998 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्रीमती अंजू वर्मा पत्नी श्री अचल कुमार पुत्री स्व. श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्रीमती अनिला पर्सोइया पत्नी श्री देव आनंद पर्सोईया पुत्री श्री ताराचन्द खाण्डेकर द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 03.07.2023 को श्री हिमांशु खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्री सागर कांत खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर के पक्ष में संयुक्त रुप से किया गया। इसी प्रकार इनके वारिसानों में श्रीमती अन्नू खाण्डेकर पत्नी श्री कन्हैयालाल उच्चैनिया पुत्री श्री ताराचन्द खाण्डेकर द्वारा उक्त आवास में निहित अपने अविभाजित हिस्से का त्याग जरिये रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) आलेखित कर दिनांक 23.08.2023 को श्री हिमांशु खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्री सागर कांत खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर के पक्ष में संयुक्त रुप से किया गया। श्री हिमांशु खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्री सागर कांत खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 5-जे-5 तलवण्डी कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर संयुक्त रुप से करने हेतु आवेदन किया गया।

अत: उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रिलीज डीड (हक त्याग पत्र) के आधार पर श्री हिमांशु खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्री सागर कांत खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर के नाम संयुक्त रुप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री हिमांशु खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्री सागर कांत खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर के नाम संयुक्त रुप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री हिमांशु खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर एवं श्री सागर कांत खाण्डेकर पुत्र श्री ताराचन्द खाण्डेकर के नाम संयुक्त रुप से कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

कार्यालय नगर पालिका हिण्डोली जिला - बून्दी (राज0)

क्रमांक :- 689-91 दिनांक :- 01.01.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2024-25

नगर पालिका हिण्डोली द्वारा उक्त कार्य हेतु नगर पालिका में पंजिकृत संवेदक एवं अन्य विभाग में AA,A श्रेणी के संवेदक से द्वी लिफाफा पद्वती/ई-निविदा पद्वती से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा डाउनलोड करने की तिथि दिनांक 23.1.2025 से निविदा अपलोड करने की दिनांक 23.1.2025 से 03.01.2024 प्रातः 09.00 बजे तक है एवं डी0डी0 जमा कराने की तिथि 04.02.2025 दोपहर 12 बजे तक संवेदक निविदा प्रपत्र एंव शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी एवं प्राप्त कर सकेंगें।

Sr.N.	UBN No.	निविदा लागत
1	DLB2425WSOB15463	12.50 lakh
2	DLB2425WSOB15464	12.50 lakh

राज.संवाद/सी/24/10834 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

रामगंजमंडी, (निसं)। भारतीय खान ब्यूरो अजमेर के तत्वाधान आयोजित 100 दिवसीय टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय खैराबाद में मंगलम सीमेंट लिमिटेड मोड़क द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे विद्यालय के बच्चों ने बड़े ही उत्साह से हिस्सा लिया। इस अवसर पर विजेताओं को विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मीणा एवं मंगलम सीमेंट के खान विभाग के प्रमुख बजरंग लाल द्वारा पुरस्कार वितरित किये गएइस अवसर पर अथितियों द्वारा टी.बी. के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में जानकारी दी गयी।

तिरंगा साइकिल मार्च आज

कोटा, (निसं)। 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहीदों को नमन करने हेतु एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए चम्बल फाउंडेशन के तत्वाधान में तिरंगा साईकिल मार्च आयोजन किया जाएगा। चम्बल फाउंडेशन के अध्यक्ष बृजेश शर्मा नीटू ने बताया कि साईकिल तिरंगा मार्च 26 जनवरी प्रात: 8 बजे तलवंडी स्थित जाट समाज छात्रावास से प्रारंभ होकर तलवंडी, केशवपुरा, बसंत विहार तीन बत्ती सर्किल से दादाबाड़ी छोटा चौराहा होते हुए दादाबाड़ी बड़े चौराहे से ज्योति मंदिर रोड़ से जवाहर नगर पेट्रोल पंप होते हुए तलवंडी डीएवी स्कूल के सामने से होते हुए पुन: जाट समाज पहुंचेगी। यहां पर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

खोया पाया

मनजीत सिंह पुत्र जोगेंद्र सिंह 1169 महावीर नगर प्रथम कोटा का आवंटन पत्र व कब्जा पत्र गुम हो गया है, किसी को मिलने पर सूचित करें।

पश्चिम मध्य रेल

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक, कोटा मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे ने कोटा मंडल के विभिन्न गाड़ियों में पार्सल स्पेस की लीज के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की है। केटलॉग को IREPS वेबसाइट (ई-ऑक्शन) पर प्रकाशित किया गया है जिसका विवरण निम्न प्रकार से है। **कैटलाग सं.:** Lease-KTT-39, **अनुबंध का प्रकार:** Leasing of SLR, **अनुबंध की अवधि:**2 वर्ष, **ई-नीलामी की तिथि और समय:** 11.02.25 को 12.00 बजे, **केटलॉग की विस्तृत जानकारी वेबसाइट** www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

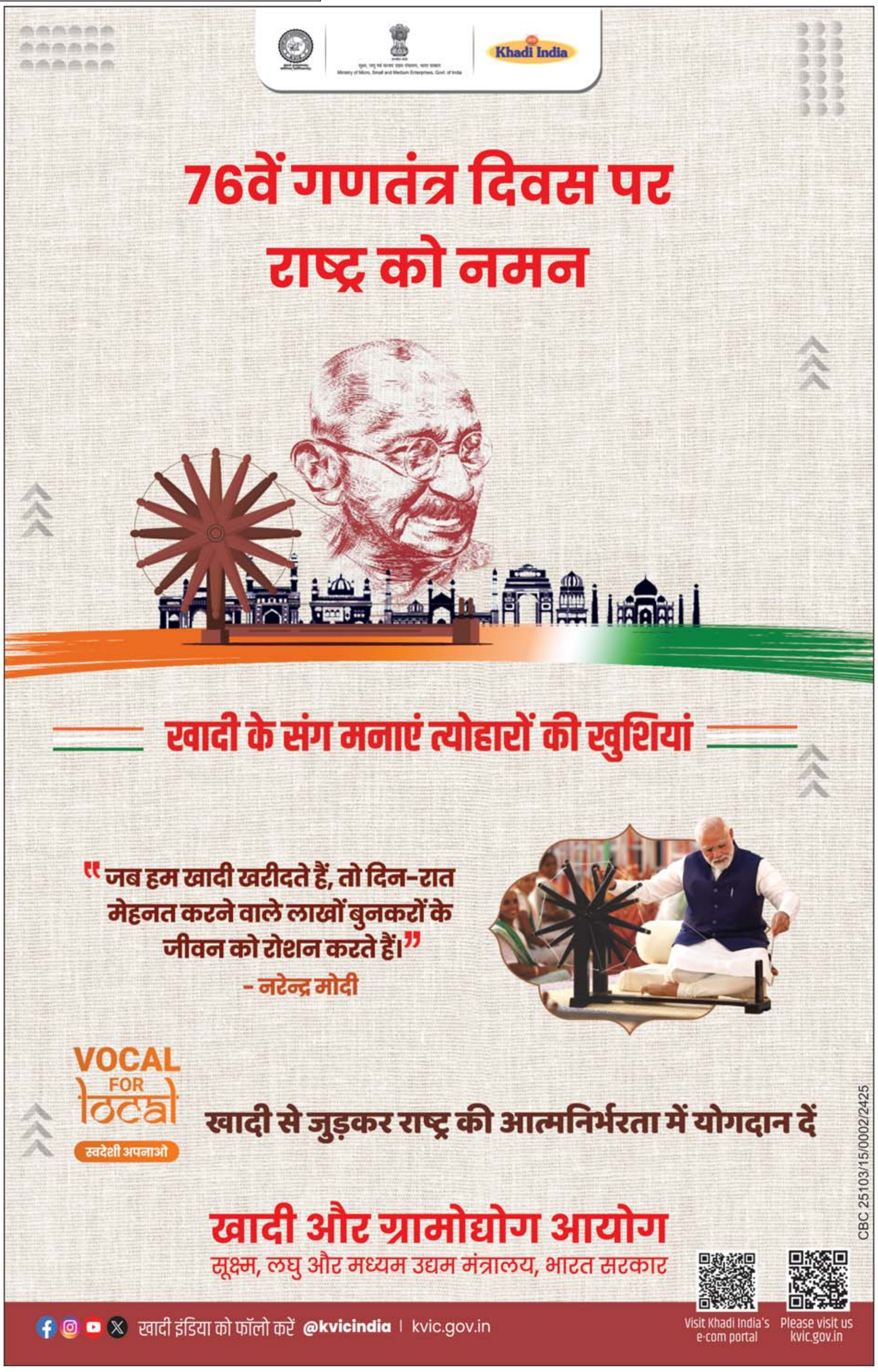

कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान मेरी पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था।
- नोवाक जोकोविच

टेनिस खिलाड़ी, अपने खिंचाव आने के बाद बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने यहां टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट के छठी बाजी में संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ ड्रॉ खेला, जबकि आर प्रज्ञानानंदा ने गत चैंपियन चीन के वेई यी के साथ अंक साझा किये। छह में से 4.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज है जबकि गुकेश चार अंकों के साथ उनके बाद है। साल के पहले बड़े टूर्नामेंट में अभी सात बाजियों के मुकाबले बाकी है। गुकेश ने अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ मुकाबले में पकड़ ढीली पड़ने के बाद अच्छी वापसी की और 64 चालों के बाद इसे ड्रॉ करने पर सहमत हो गये।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम के धाकड़ बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 18 अगस्त 2008 में 19 साल की उम्र में श्रीलंका के खिलाफ डेब्यू किया था।

ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर खिलाड़ियों ने देश को किया गौरवान्वितः राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 25 जनवरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आकाशवाणी और दूरदर्शन से प्रसारित के राष्ट्र के नाम संबोधन में ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में सहित अन्य प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की उपलब्धियों का उल्लेख किया। मुर्मु ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में हमारा बढ़ता आत्मविश्वास खेलों के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। हमारे खिलाड़ियों ने सफलता के प्रभावशाली अध्याय रचे हैं। पिछले वर्ष, हमारे खिलाड़ियों ने ओलंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा पैरालंपिक खेलों में, हमने अपना अब तक का सबसे बड़ा दल भेजा, जिसने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ के शतरंज (फिडे) ओलंपियाड में हमारे खिलाड़ियों ने विश्व समुदाय को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया तथा पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीते। मुर्मु ने कहा कि वर्ष 2024 में डी. गुकेश ने अब तक का सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया।

प्रियांशु ने ग्रैंड मास्टर लक्ष्मण को ड्रा पर रोका

जयपुर, 25 जनवरी। जयपुर ओपन रैपिड प्रतियोगिता में 5वें राउंड में आज प्रतियोगिता का पहला उलटफेर दर्ज किया गया, जिसमें पश्चिम बंगाल के प्रियांशु बरुआ ने रेलवे के आर लक्ष्मण को बराबरी पर रोका। खेले गए 6 राउंड के पश्चात मित्राभा गुहा पश्चिम बंगाल, सुयोग वाघ महाराष्ट्र, आर्यन वैष्णव दिल्ली टूर्नामेंट लीड कर रहे हैं। ग्रैंड मास्टर आर. लक्ष्मण रेलवे, फिडे मास्टर नमित सिंह वालिया पंजाब, कैंडिडेट मास्टर नवीन जैन हरियाणा, सेजल साई संजय महाराष्ट्र दूसरे स्थान खिलाड़ी 5.5 पॉइंट के साथ प्रतियोगिता में जीत के लिए नाम हुए हैं।

जयपुर की जायसवाल ने अंडर 15 में सिल्वर मेडल जीता

जयपुर, 25 जनवरी। मुम्बई में आयोजित विलिंग्डन स्पोर्ट्स क्लब क्लासिक ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप 19 से 23 जनवरी 2025 में गुलाबी नगरी जयपुर की गौरी जायसवाल ने अंडर 15 वर्ग गर्ल्स में सिल्वर मेडल जीत राजस्थान का नाम रोशन किया। कोच खांगा राम चौधरी ने बताया कि गौरी जायसवाल माहेश्वरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर के कक्षा 8 की स्टूडेंट हैं जिसमें पहले राउंड में बाय मिली, प्री क्वार्टर में महाराष्ट्र की जिद्न्यासा मुरादे को 11-3,11-3,11-3, से क्वार्टर फाइनल में महाराष्ट्र की मान्या संघवी को 11-9,11-7,11-6, से सेमी फाइनल में तेलंगाना स्टेट की अर्नाद्विवेदी को 11-13,11-7,11-9,11-7, से फ़ाइनल में उत्तर प्रदेश की फ़बीना नफीस 2- 11,6- 11,4-11, से हार का सामना करना पड़ा और सिल्वर मेडल अपने नाम किया। प्रिंसिपल अशोक वैद, और वाईस प्रिंसिपल डी डी पाठक, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, जवाहर नगर ने जीतने पर गौरी एवं कोच को बधाई एवम शुभकामनाएं दी।

खिलाड़ी राष्ट्रीय खेलों में राजस्थान के राजदूतः राज्यवर्धन

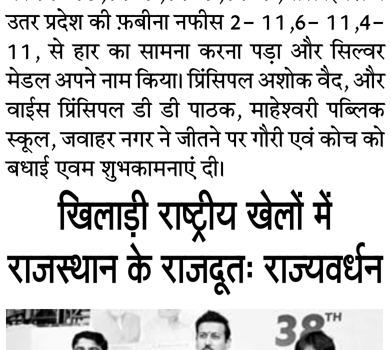

जयपुर, 25 जनवरी। आप बहुत भाग्यशाली है, जिन्हें राष्ट्रीय खेलों में खेलने का अवसर मिला। एक राजदूत की हैसियत से इन खेलों में आप राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे, यह बात खेल एवं युवा मामले मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने शनिवार को सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में 38वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने जा रहे विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों को सैंडऑफ सेरेमनी (दल रवानगी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम) में कही। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों की जर्सी लॉंच करते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल ऐसा मंच है, जहां पूरे देश के खिलाड़ी खेलने आते हैं। इसमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी होते हैं, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खिलाड़ियों के लिए यह बहुत अच्छा अवसर है कि इनसे सीखें और अपने खेल को बहतर करने की कोशिश करें। इस अवसर पर राजस्थान राज्य ओलम्पिक संघ में अध्यक्ष तेजस्वी गहलोत, खेलमंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सभी टीमों को किट वितरित की। इस अवसर पर मौजूद राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मैडिसन कीज ने अपने नाम किया महिला सिंगल्स का खिताब

फाइनल में सबालेंका को हराया

मेलबर्न, 25 जनवरी। अमेरिका की 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 का महिला सिंगल्स का खिताब जीत लिया। इस दौरान उन्होंने महिला रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी अरीना सबालेंका को हराया। हालांकि, इस मैच को सभी को उम्मीद थी कि सबालेंका खिताब जीतने में कामयाब होंगी लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी मैडिसन ने बड़ा उलटफेर करने के साथ तीन सेट में मुकाबले को अपने नाम कर दिया। इस मैच में सबालेंका ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में वापसी तो की लेकिन तीसरे और निर्णायक सेट को मैडिसन ने जीतने के साथ अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल भी जीता। मैडिसन कीज और अरीना सबालेंका के बीच खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 महिला सिंगल्स ग्रैंड स्लैम फाइनल मुकाबले को लेकर बात की जाए तो उसमें पहले सेट को मैडिसन ने 6-3 से अपने नाम किया वहीं इसके बाद दूसरे सेट में अरीना सबालेंका ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 6-2 से जीता।

अब 1-1 से मैच बराबरी पर आने के बाद सभी फैंस की नजरें तीसरे और निर्णायक सेट पर थी जिसमें मैडिसन ने फिर से वापसी करने के साथ इस रोमांचक सेट को 7-5 से जीता और अरीना साबलेंका का तीसरी बार खिताब जीतने का सपना भी तोड़ दिया। अगर सबालेंका ऐसा करने में कामयाब होती तो वह साल 1997 से 1999 में मार्टिना हिंगिस के बाद पहली महिला खिलाड़ी होती जो मेलबर्न पार्क में लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियन ओपन को अपने नाम करती।

वहीं अमेरिका की खिलाड़ी ने जीत दर्ज करते ही अपना चेहरा अपने हाथों से ढक लिया, फिर हाथों को ऊपर उठा का जश्न मनाया। उन्होंने इसके बाद अपने पति और कोच (2023 से) ब्योर्न फ्रैटांगेलो और टीम के अन्य सदस्यों को गले लगाया। सबालेंका ने कीज को बधाई देने के बाद अपने टेबल के पास जाकर रैकेट को जोर से जमीन पर पटका और अपनी भावनाओं को छिपाने के लिए सफेद तौलिये से चेहरा ढक लिया। अमेरिकी ओपन 2015 में फ्लाविया पेनेटा के 33 साल की उम्र में चैम्पियन बनने के बाद कीज सबसे उम्रदराज महिला ग्रैंड स्लैम चैम्पियन हैं। कीज अपने 46वें ग्रैंड स्लैम में चैम्पियन बनी।

रोहित शर्मा टी-20 टीम ऑफ द ईयर के कप्तान

चार भारतीय खिलाड़ी शामिल, अर्शदीप साल के बेस्ट टी-20 प्लेयर

दुबई, 25 जनवरी। आईसीसी ने शनिवार को साल 2024 की टी-20 टीम ऑफ द ईयर की घोषणा कर दी है। इस टीम में 4 भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। रोहित शर्मा को कप्तान बनाया गया है। उनके अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल हैं। भारत के अलावा किसी भी अन्य देश से एक से ज्यादा खिलाड़ियों को मौका नहीं मिला है। टीम में पाकिस्तान के बाबर आजम, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और अफगानिस्तान के राशिद खान भी टीम में शामिल हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को ने टेस्ट टीम ऑफ ईयर और वनडे टीम ऑफ ईयर का ऐलान किया था। टेस्ट में भारत के तीन प्लेयर्स को जगह मिली थी। जबकि वनडे टीम में कोई भारतीय नहीं है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल हर साल खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर तीनों फॉर्मेट की टीम जारी करता है।

रोहित की कप्तानी में भारत ने जीता था टी-20 वर्ल्ड कप भारतीय टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप 2024 जीता था। ब्रिजटाउन के मैदान पर भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया था। अर्शदीप सिंह टी-20 क्रिकेट ऑफ ईयर चुने गए भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को ने टी-20 क्रिकेटर ऑफ ईयर चुना है। उन्होंने पिछले साल 18 मुकाबलों में 36 विकेट झटके हैं। इस अवॉर्ड के लिए ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, पाकिस्तान के बाबर आजम और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा के नाम भी रेस में थे।

भारत ने इंग्लैंड को दो विकेट से हराया

चेन्नई, 25 जनवरी। गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद तिलक वर्मा (नाबाद 72) की अर्धशतकीय और रवि बिश्नोई की (नाबाद नौ) रनों की साहसिक पारियों की बदौलत भारत ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को दो विकेट से हराया। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

इंग्लैंड के 165 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 19 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अभिषेक शर्मा (12) और संजू सैमसन (पांच) रन बनाकर आउट हुये। तीसरे विकेट के रूप में बल्लेबाजी करने आये तिलक वर्मा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। छठें ओवर में ब्राइडन कार्स ने सूर्यकुमार यादव (12) को आउटकर भारत को तीसरा झटका दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल (चार), हार्दिक पंड्या (सात) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय वॉशिंगटन सुंदर ने तिलक वर्मा के साथ पारी को संभाला। ब्राइडन कार्स ने वॉशिंगटन सुंदर (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अक्षर पटेल (दो) और अर्शदीप सिंह (छह) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवि बिश्नोई ने तिलक वर्मा का बखूबी साथ निभाया। तिलक वर्मा ने 55 गेंदों में चार चौके और पांच छक्के लगाते हुए (नाबाद 72) रनों की पारी खेली। वहीं रवि बिश्नोई पांच गेंदों में (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 19.2 ओवर में आठ विकेट पर 166 रन बनाकर मुकाबला दो विकेट से जीत लिया।

इंग्लैंड की ओर से ब्राइडन कार्स ने तीन विकेट लिये। जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, आदिल रशीद, जेमी ओवर्टन और लियम लिविंगस्टन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मंधाना, ऋचा, दीप्ति को मिली आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में जगह

नई दिल्ली, 25 जनवरी। दिग्गज सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, विकेटकीपर ऋचा घोष और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों की दबदबे वाली आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय साल2024 की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया। इस टीम में तीन भारतीयों के अलावा दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के दो-दो जबकि इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान से एक-एक खिलाड़ी हैं। धाना और दीप्ति को शुक्रवार को आईसीसी महिला वनडे साल की सर्वश्रेष्ठ टीम 2024 में भी शामिल किया गया था। मंधाना के लिए साल 2024 शानदार रहा। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 रनों की शानदार पारी के साथ और इसका अंत घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार तीन अर्धशतकों के साथ किया। इस सलामी बल्लेबाज ने इस दौरान 23 मैचों में 763 रन बनाये और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। मंधाना ने इस दौरान 8 अर्धशतक, 42.38 के औसत और 126.53 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

// तीसरी दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप //

राजस्थान शूटिंग टीम ने तीन पदक हासिल किए

जयपुर, 25 जनवरी। राजस्थान शूटिंग टीम ने भोपाल में आयोजित प्रतिष्ठित तीसरी दिग्विजय सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप में क्ले पिजन स्कीट इवेंट व्यक्तिगत सीनियर मास्टर मेन केटेगरी और व्यक्तिगत मेन केटेगरी में 02 पदक और क्ले पिजन स्कीट जूनियर मेन टीम इवेंट में -01 पदक हासिल कर कुल 3 पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया है। चैंपियनशिप में देश भर के कुछ बेहतरीन निशानेबाजों ने भाग लिया, जिन्होंने उल्लेखनीय कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

स्वर्ण पदक सरोष खान (क्ले पिजन स्कीट इवेंट व्यक्तिगत सीनियर मास्टर मेन केटेगरी), कांस्य पदक, अनंतजीत सिंह नरूका (क्ले पिजन स्कीट इवेंट व्यक्तिगत मेन केटेगरी)-1 कांस्य पदक (1) यशवर्धन सिंह (2) राजवीर सिंह (3) अंजनेया सिंह (क्ले पिजन स्कीट जूनियर मेन टीम इवेंट)

प्रत्येक एथलीट ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सटीकता, समर्पण और संयम का प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत/टीम की सफलता में योगदान दिया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने टीम के प्रदर्शन पर बहुत गर्व व्यक्त किया और राज्य में शूटिंग प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास करने का वादा किया। दिग्विजय सिंह की स्मृति को सम्मानित करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य शूटिंग के खेल को बढ़ावा देना और उभरती प्रतिभाओं के लिए एक मंच प्रदान करना था। इस टूर्नामेंट में राजस्थान की शूटिंग टीम की उपलब्धियाँ खेल में अग्रणी टीमों में से एक के रूप में उनकी स्थिति की पुष्टि करती हैं।

// इनविटेशन गोल्फ कप का 5वां संस्करण संपन्न //

जसवंत सिंह मील ने जीती बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी

जयपुर, 25 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-वेदांता हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड इनविटेशन गोल्फ कप का 5वां संस्करण शनिवार को रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित किया गया। टूर्नामेंट का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। समारोह के दौरान अलग-अलग श्रेणियों और हैंडीकैप में विजेता व उप विजेता दोनों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें बेस्ट सीआईआई गोल्फर की ट्रॉफी जसवंत सिंह मील ने जीती।

टूर्नामेंट में गोल्फर्स सहित ब्यूरोक्रेट्स, इंडस्ट्री मेंबर्स, जज, आर्मी, रेलवे ऑफिसर्स आदि जैसी विभिन्न पृष्ठभूमियों से लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इसमें पुरुष, महिला, वेटरन (60), और मेम्बर आदि श्रेणियां शामिल थीं। यह टूर्नामेंट स्टैबलफोर्ड सिंगल पियरियो फॉर्मेट में खेला गया। इस अवसर पर दिल्ली से प्रसिद्ध प्रोफेशनल महिला गोल्फर श्वेता मान सिंह भी उपस्थित रहीं।

अन्य श्रेणियों में विजेता और उपविजेताओं के नाम कुछ इस प्रकार रहे- हैंडीकैप श्रेणी (18-24) में गौरव रूंगटा विजेता रहे; हैंडीकैप श्रेणी (13-17) में अनुराग सारस्वत और हैंडीकैप श्रेणी (0-12) में अर्जुन कुच्छल विजेता रहे। विजेताओं को पुरस्कार के साथ आईटीसी रूम वाउचर भी प्रदान किए गए। वहीं, हैंडीकैप श्रेणी (18-24) में ओम सारस्वत उपविजेता, हैंडीकैप श्रेणी (13-17) में धीरज झामरिया और हैंडीकैप श्रेणी (0-12) में संदीप शर्मा उपविजेता रहे। इसके अतिरिक्त, बेस्ट वेटरन गोल्फर का पुरस्कार अंशुमन गुप्ता और बेस्ट लेडी गोल्फर का खिताब रितु ओबरॉय ने जीता। इसी प्रकार, क्लोजेस्ट टू द पिन का पुरस्कार अखिल अग्रवाल को, स्ट्रेटस्ट ड्राइव का पुरस्कार आभा गुप्ता को, लॉन्गेस्ट ड्राइव का पुरस्कार सिद्धार्थ शर्मा को और बीट द प्रो के विजेता हैदर अली रहे।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड का किया सुपड़ा साफ

एडिलेड, 25 जनवरी। बेथ मूनी (नाबाद 94) रनों की अर्धशतकीय पारी और जॉर्जिया वेयरहम (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने शनिवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को 72 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज 3-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया के 165 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और 48 के स्कोर तक अपने सात विकेट गवां दिये। सोफिया डंकली (पांच), एलिस कैप्सी (छह), नेट साइवर ब्रंट (एक), डेनियल वायट (17), एमी जोंस (शून्य), फ्रेया कैंप (पांच) और शार्लेट डीन (एक) रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि इस दौरान कप्तान हीथर नाइट एक छोर थामे खड़ी रही। सोफी एक्लस्टन (पांच) और लिंसी स्मिथ (एक) रन बनाकर आउट हुई। इंग्लैंड का आखिरी विकेट हीथर नाइट (40) रूप में गिरा। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की पूरी टीम 17.3 ओवर में 90 रन पर ढ़ेर हो गई।

राजस्थान के लाम्बा की शतकीय पारी व सचिन शतक से चूके

जयपुर, 25 जनवरी। नागपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रीय अंडर 23 सी के नायडू ट्रॉफी के आज से शुरू हुए राजस्थान -विधर्भ मैच के पहले दिन राजस्थान के कप्तान करण लाम्बा ने शानदार नाबाद शतकीय पारी खेलते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने कप्तान करण लाम्बा की शानदार नाबाद शतकीय पारी व सलामी बल्लेबाज सचिन यादव के अर्धशतक की सहायता से पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट के नुकसान पर 282 रन बना लिए थे। सलामी बल्लेबाज सचिन यादव मात्र 4 रनो से अपने शतक से चुके।

राजस्थान - विधर्भ रणजी मैच (तीसरे दिन का स्कोर) राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय सीनियर रणजी ट्रॉफी के जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले जा रहे राजस्थान - विधर्भ रणजी मैच के तीसरे दिन का स्कोर :- विधर्भ पहली पारी 165 आल आउट। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विधर्भ टीम राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद, मानव सुथार व अन्य अजय कुकना की शानदार गेंदबाजी की सामने मात्र 165 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। टीम के लिए करुण नायर 39, ऐ वाडकर 34 व दुते 34 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज अजय कुकना 92/3, मानव सुथार 94/2 खलील 52/1 व अनिकेत चौधरी 63/1 विकेट प्राप्त किये।

// जयपुर पोलो सीजन 2025//

जयपुर टीम ने जीता रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप

जयपुर, 25 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025 का पहला एजीवशिन मैच, रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप आज राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। बड़ी संख्या में दर्शकों ने इस रोमांचक खेल का आनंद लिया। टीम जयपुर और टीम बैंगलोर ग्रेज/कृष्णा पोलो के बीच हुए इस मुकाबले में टीम जयपुर ने 13-9 के स्कोर से जीत हासिल की। इस अवसर पर जोओसी, 61 सब एरिया, मेजर जनरल रोहित मेहरोत्रा मुख्य अतिथि रहे। टीम जयपुर के लिए लांस वॉटसन के 6 गोल ने टीम को शानदार जीत दिलाई। वहीं एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 5 गोल और राव हिम्मत सिंह बेदला ने 2 गोल किए। टीम में देवव्रत सिंह झालामंड भी शामिल थे। इसी प्रकार, टीम बैंगलोर ग्रेज/कृष्णा पोलो की ओर से डेनियल ओटामेंडी ने 4 गोल और नवीन सिंह ने 3 गोल किए। वहीं डीनो धनखड़ ने टीम के लिए 2 गोल किए। टीम से अनिरुद्ध मावाजी भी खेले।

राजस्थान यूनाइटेड क्लब ने टेबल टॉपर चर्चिल ब्रदर्स एफसी को 1-0 से हराया

जयपुर, 25 जनवरी। विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित फुटबॉल के रोमांचक आई-लीग मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने चर्चिल ब्रदर्स एफसी को 1-0 से हराया। क्लब के चेयरमैन के के टॉक ने बताया कि रोमांचक मुकाबले के मैच में हाफ टाइम में गोल रहित रहा इसके बाद हाफ टाइम के बाद वाले क्षणों में जीवंत हो गया। क्योंकि राजस्थान यूनाइटेड ने 6 मिनट के अतिरिक्त समय के दौरान गोल किया। दोनों टीमों के लिए पहला हाफ एक तंग मामला था, जिसमें दोनों टीमों ने ठोस रक्षात्मक संरचनाओं को प्रदर्शित कर कुछ अवसर पैदा किए। चर्चिल ब्रदर्स एफसी ने लचीलापन दिखाया, जबकि राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने अपने बचाव को तोड़ने के लिए संघर्ष किया। दोनों पक्ष हाफ टाइम ब्रेक में आगे बढ़ गए।

ड्रा मैच को बनाया रोमांचकः- क्लब की डायरेक्टर रोशनी टॉक ने कहा कि मैच ड्रॉ के लिए तय लग रहा था, लेकिन मेजबानों को चोट के समय में अपनी सफलता मिली। जैसे ही खेल ने स्टॉपेज टाइम के छठे मिनट में प्रवेश किया, राजस्थान यूनाइटेड ने अंतिम आक्रमण शुरू किया। 93वें मिनट में उनके स्ट्राइकर जेराई आर्टिगास (जर्सी नंबर 99) से गोल में एक निर्दोष टैप ड्राउ बॉक्स में एक सही समयबद्ध क्रॉस मिला, नेट के पीछे का पता लगाया और गोल कर घरेलू भीड़ को उत्साह में भेज दिया। चर्चिल ब्रदर्स एफसी की उत्साही प्रतिक्रिया के बावजूद, राजस्थान यूनाइटेड ने सभी तीन बिंदुओं का दावा करने के लिए दृढ़ता रखी, उन्हें आई-लीग स्टैंडिंग में ऊपर ले जाया गया।

खेलों के साथ बढ़ेगा ट्यूरिज्म, बढ़ेगी इकोनामीः दिया कुमारीः- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने फुटबाल मैचों को बढ़ाने के लिए आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस तरह के मेचों का आयोजन किया जाएगा। इससे युवाओं में खेल के प्रति भावना जागृत होगी। युवा खेलों की तरफ ध्यान देंगे तो उसका ध्यान इधर-उधर नहीं भटकेगी, खाली बैठा युवा कई बार गलतियां कर बैठता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी युवाओं को खेल के लिए हमेशा प्रोत्साहन करते रहते हैं। जिससे युवा स्वस्थ एवं सुखी रहेगा। आईपा के लिए, राजस्थान एवं जयपुर तैयार है इसके आयोजन से टूरिज्म बढ़ेगा, इकोनामिक बढ़ेगी लोगों को रोजगार मिलेगा। फिल्मों की शूटिंग के लिए भी राजस्थान में अच्छा वातावरण बनाया जा रहा है।

इस सप्ताह साठ वर्ष पूर्व चर्चिल की मृत्यु...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप में छवि बहुत बड़ी थी, और पाश्चात्य जगत के लोग उन्हें ''स्वतंत्र विश्व'' को बचाने वाले प्रचारित करते है लेकिन क्लैमेंट एटली उस समय की जरूरतों को समझने में सक्षम था।

चर्चिल जब बहुत युवा थे तब ही से भारत के प्रति उनकी एक सोच विकसित हो गई थी। उन्होंने ब्रिटिश काल में बतौर पत्रकार यहा काम किया। उन्होंने भारतीय सीमाओं पर लड़े गए कई युद्धों के बारे में लिखा। कोलकाता में उन्होंने तत्कालीन वायसरॉय लॉर्ड कर्जन से मुलाकात की इसके बाद वे ब्रिटेन लौट गए।

जब चर्चिल दूसरे विश्व युद्ध में हिटलर के खिलाफ मित्र देशों की सेना का नेतृत्व कर रहे थे उस समय 1942 में बंगाल भी जब अकाल से जूझ रहा था और ये चर्चिल ही थे, जिन्होंने उस अकाल को भीषण त्रासदी में बदल दिया था क्योंकि उन्होंने बंगाल के लिए भेजे जा रहे अनाज के जहाजों को मित्र देशों की सेनाओं के लिए भेज दिया था और लाखों भारतीय भूख से मर गए थे।

ऐसा नहीं था कि मित्र देशों की सेना भोजन के संकट से जूझ रही थी या उन्हें पर्याप्त राशन नहीं मिल रहा था, चर्चिल ने ऐसा सिर्फ इसलिए किया कि कहीं मित्र देशों की सेनाओं को अकस्मात अनाज की जरूरत पड़ जाए। चर्चिल का वह युद्ध अपराध बहुत बड़ा था पर इस पर इसलिए ध्यान नहीं दिया गया क्योंकि अकाल और भूख से मरने वाले लाखों भारतीय असहाय थे।

भारत के लिए 1942 बेहद कठिन समय था, जिसे चर्चिल ऐसा सुनहरा समय बता कर प्रचारित कर रहे थे जो हजारों सालों में एक बार आता है। यह समय है कि भारत को उन लोगों की याद में एक स्मारक बनाना चाहिए जो चर्चिल निर्णय (अन्यायपूर्ण निर्णय) की वजह से भूख से मारे गए थे। जिस अनाज की उस समय भारतीयों को सख्त जरूरत थी वह चर्चिल ने मित्र देशों की सेनाओं को दिलवा दिया।

युद्ध खत्म होने के बाद विजयी मित्र राष्ट्रों ने जर्मनी के युद्ध अपराधों पर विचार किया, जहां लाखों यहूदी व अन्य लोग यातना शिविरों व गैस चैम्बरों में मार डाले गए थे, पर उन्होंने भारत में भूख से मरे लाखों लोगों का कारण बने एक अपराध पर कभी भी विचार नहीं किया।

युद्धकाल में अगर चर्चिल को कोई व्यक्ति नापसंद था तो वह थे महात्मा गांधी जो चर्चिल एकदम विपरीत थे। गांधी ने ब्रिटिश साम्राज्य की ''सिविलाइज़्ड फोर्स'' होने की धारणा को अस्वीकार कर दिया और चर्चिल को यह अस्वीकृति कतई पसंद नहीं थी।

प्रशिक्षित सैनिक चर्चिल ब्रिटिश समाज के पारम्परिक समाज और रूढिवादी परम्पराओं साथ पले बढ़े थे। इसके विपरीत गांधी ने ताकत को अंतिम परीक्षण के रूप में नकार दिया था। गांधी की राजनीति चर्चिल को स्त्रियोचित लगती थी। चरखा चलाने को चर्चिल औरतों का काम मानते थे।

तुरंत प्रभाव से विदेशों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मीमो कहता है कि वर्तमान विदेशी सहायता के स्टॉप वर्क आर्डर तत्कालीन जारी हो जायेंगे तथा तब तक जारी रहेंगे, जब तक रुबियो समीक्षा नहीं कर लेते।

यूएस एजेन्सी फॉर इंटरनैशनल डवलपमैंट (यूएसएआईडी) के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने, अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, ''यह एक निर्मित दुर्व्यवस्था है।''

मध्य प्रदेश में शराबबंदी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गुजरात शामिल हैं, को लेकर भारी चिंता जताई जाती है, क्योंकि वहाँ शराब का बड़ा बाज़ार पनप रहा है, जहाँ प्रायः खतरनाक और मिलावटी शराब की बिक्री होती है।

दूसरी तरफ, राज्य सरकारों को राजस्व का बहुत बड़ा नुकसान होता है तथा इसे लागू करने पर सवाल खड़े होते रहे हैं तथा इसे लागू करने पर सवाल खड़े होते रहे हैं तथा भ्रष्टाचार तथा पुलिस-प्रताड़ना के आरोप भी लगते रहे हैं।

जहाँ बिहार जैसे राज्यों में पूर्ण शराबबंदी लागू है, वहीं गुजरात विदेशियों तथा भारत के अन्य भागों से आये हुये लोगों को यह अनुमति देता है कि वे शराब खरीदने के लिये परमिट हेतु ऑनलाइन आवेदन करें तथा राज्य के 35 रजिस्टर्ड स्टोरों में से किसी से भी शराब खरीद लें। नागालैंड में 1989 में शराब की बिक्री और उपभोग पर रोक लगा दी थी, लेकिन रोक में ढ़ील दी जा चुकी है तथा राज्य में ''भारत निर्मित विदेशी शराब'' खुले रूप में उपलब्ध बताई जाती है।

ट्रम्प द्वारा चयनित नये...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चिंता व्यक्त की है। उनका तर्क है कि इससे आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी को और ज्यादा आधुनिक बनाने, परमाणु निरोध के प्रबंध, उभरते वैश्विक खतरों का मुकाबला करने और रणनीतिक रक्षा पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने में बाधा उत्पन्न हो सकती है। डिफैन्स सैक्रेटरी की भूमिका अमेरिकी प्रशासन में कितनी महत्वपूर्ण और गंभीर है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि सैन्य कमान श्रृंखला में रक्षा सचिव राष्ट्रपति के बाद दूसरे स्थान पर होते हैं।

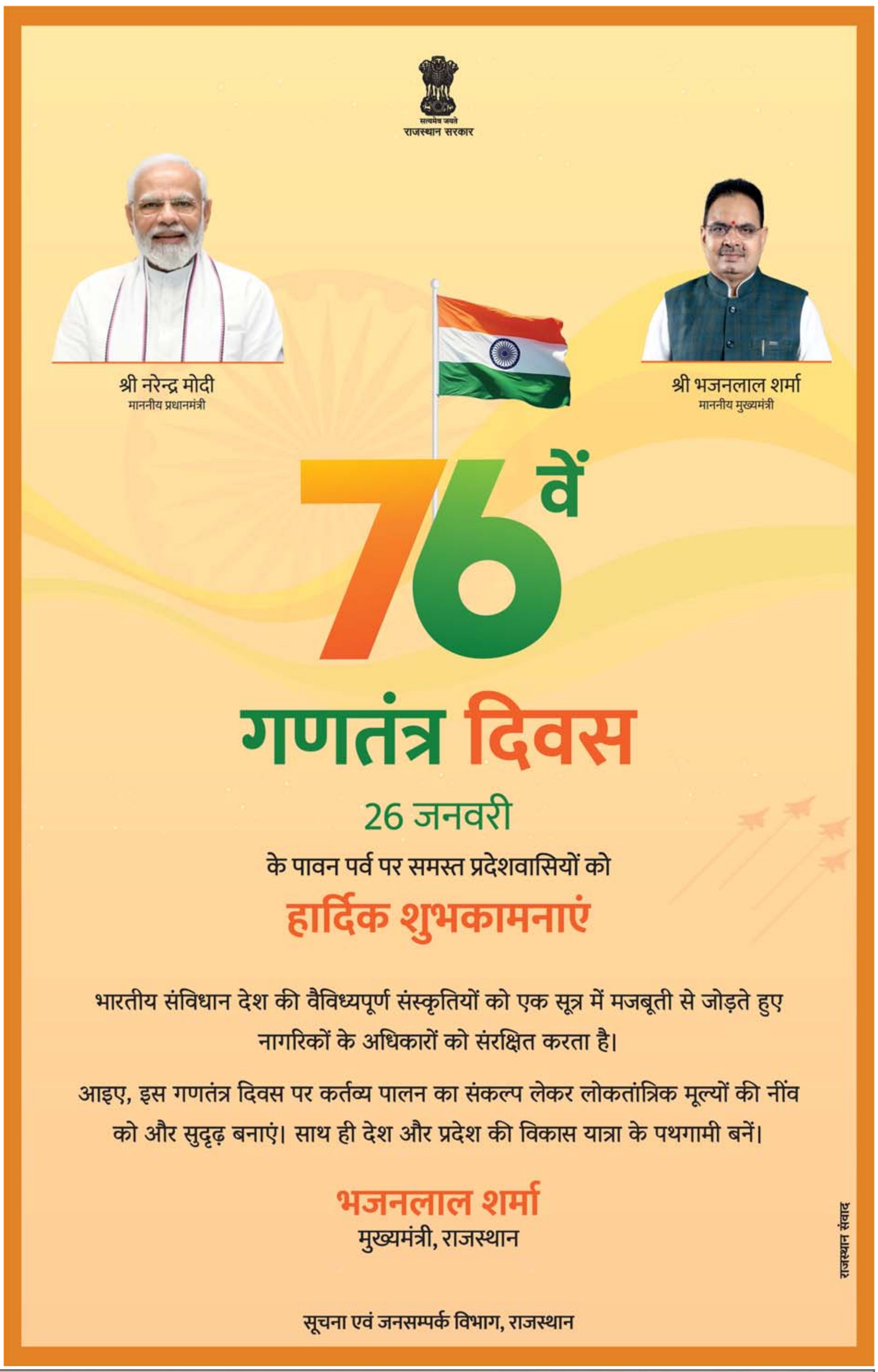

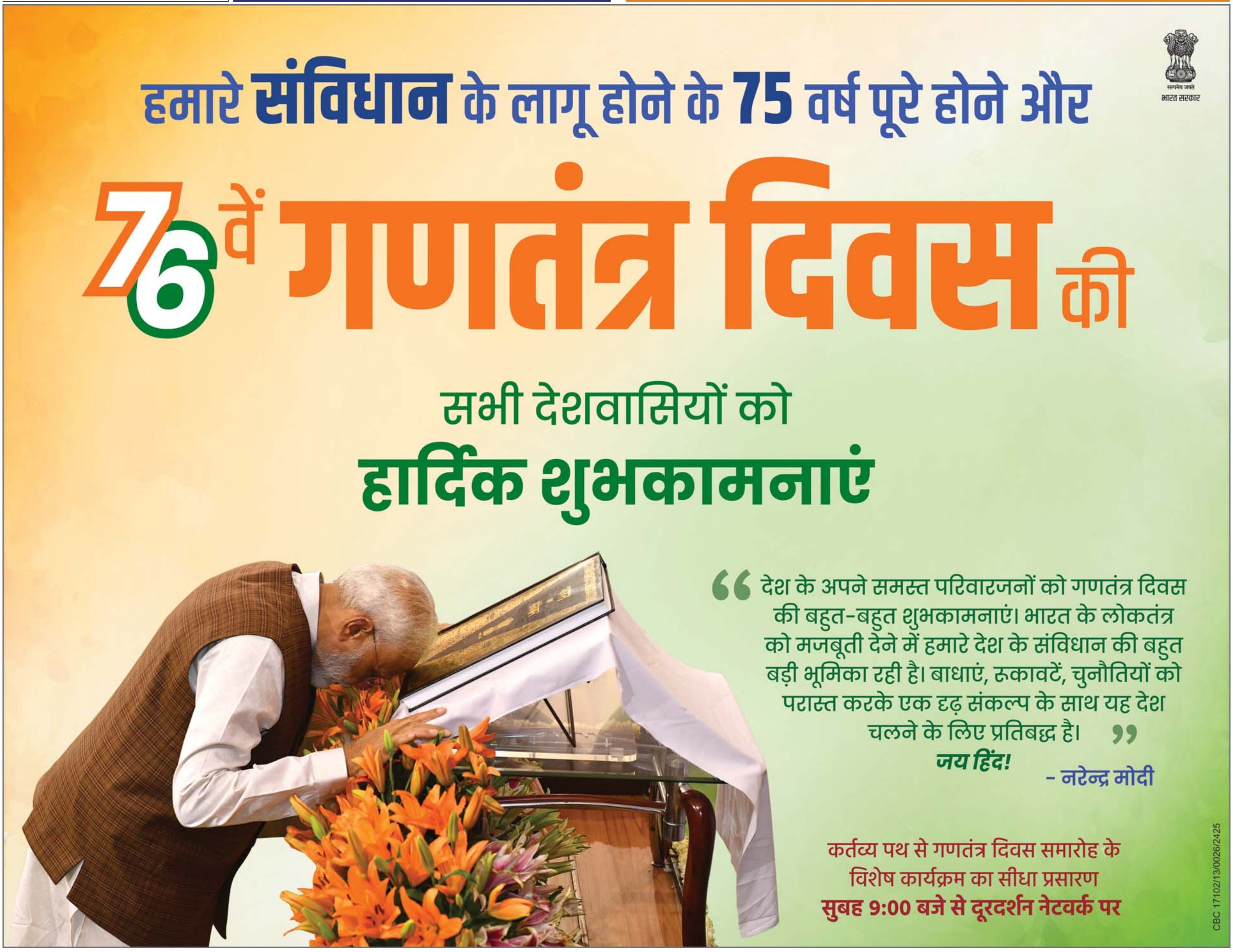

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908